- 20th Year
- Issue: 138
- 21.09.2026 (MONDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

जलवायु परिवर्तन से मानव अस्तित्व के कई स्तरों पर असंतुलन पैदा करता है-राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नयी दिल्ली २०/०९ (संवाददाता): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन की जटिल चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सरकारों, कानूनी विशेषज्ञों और प्रभावित समुदायों को शामिल करते हुए नीतियों और कार्यों का एक सुव्यवस्थित ढांचा जरूरी है।'पर्यावरण और जलवायु गतिशीलता का भविष्य' विषय पर यहां आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका पर गंभीर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस ढांचे में जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। साथ ही ग्रामीण और वन क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों, छोटे किसानों, महिलाओं और अन्य कमजोर वर्गों की जरूरतों के प्रति विशेष संवेदनशीलता बरती जानी चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कहा,

''जलवायु परिवर्तन मानव अस्तित्व के कई स्तरों पर असंतुलन पैदा करता है। जैव विविधता का नुकसान, जल संकट और भूमि क्षरण जैसे मुद्दे इससे गहराई से जुड़े हुए हैं। इसका खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।'' उन्होंने कहा कि पारंपरिक ज्ञान प्रणालियां, स्थानीय समुदायों की प्रथाएं और उनके वास्तविक अनुभव जलवायु परिवर्तन के अनुकूल ढलने की क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, ''हमें पारंपरिक ज्ञान पर आधारित जन केंद्रित और समुदाय-आधारित अनुकूलन उपायों के जरिए जलवायु के प्रति अनुकूलता को मजबूत करना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि टिकाऊ वनीकरण भी जलवायु अनुकूलता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुर्मू ने कहा कि जैव विविधता को बढ़ावा देने वाले और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप किए जाने वाले वनीकरण के प्रयास इस दिशा में अहम साबित हो सकते हैं। उन्होंने कहा, ''टिकाऊ वनीकरण का वास्तविक उद्देश्य केवल पेड़ लगाना नहीं, बल्कि स्वस्थ और आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र को फिर से बहाल करना है।'' अपने बचपन का एक उदाहरण देते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने याद किया कि कैसे उनके पिता घर में खाना पकाने के लिए पास के जंगल से सूखी लकड़ी लाते थे और उसे काटने से पहले सम्मानपूर्वक सिर झुकाकर क्षमा मांगते थे। उन्होंने बताया कि एक बार उन्होंने अपने पिता से पूछा कि लकड़ी काटने से पहले वह प्रार्थना क्यों करते हैं। इस पर उनके पिता ने कहा था कि यह लकड़ी कभी उस पेड़ का हिस्सा थी, जो फल, फूल, हवा और पानी देता था।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि लकड़ी के तने सूख गए हैं, लेकिन अब भी उनकी मदद कर रहे हैं। इस पर वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। उन्होंने याद किया कि खेत में जुताई करने से पहले उनके पिता धरती के सामने भी सिर झुकाते थे।

उन्होंने कहा, ''मैं अक्सर पूछती थी, आप खेत जोतने से पहले प्रार्थना क्यों करते हैं? इस पर वह कहते थे कि धरती हमारी मां है। हम जो कुछ भी पैदा करते हैं, जो भी उपज प्राप्त करते हैं, वह धरती की वजह से ही संभव है।'' राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि विनम्रता की यह भावना भारतीय संस्कृति में गहराई से समाई हुई है और यह मानवता तथा प्रकृति के बीच मूलभूत संबंधों की समझ को दर्शाती है।उन्होंने पेड़ों की पज़ियों और लकड़ियों को बेचने के कारोबार को रोकने का भी आह्वान किया और कहा कि पौधे लोगों को जीवन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा, ''अगर आप हर साल पज़ियां तोड़ते रहेंगे तो कोई पौधा पेड़ कैसे बनेगा? वह कैसे जीवित रह पाएगा?'' उन्होंने कहा कि अगर लोग खुद में बदलाव लाएंगे, तो धरती भी उसी के अनुसार बदल जाएगी।

पुरुलिया में हवाई अड्डा बनाने के लिए बंगाल सरकार २८ को केन्द्र संग करेगी समझौता

कोलकाता २०/०९ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार केंद्र की उड़ान योजना के तहत पुरुलिया जिले में एक हवाई अड्डे बनाने के लिए 28 सितंबर को केंद्र के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करेगी। केंद्र सरकार की प्रमुख योजना 'उड़ान' (उड़े देश का आम नागरिक) का मकसद कम सेवा वाले इलाकों को जोड़ना और 'लास्ट-माइल' हवाई संपर्क को मजबूत करना है। यहां सर्किट हाउस में प्रशासनिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए शुभेंदु ने कहा कि हवाई अड्डा स्थापित करने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और राज्य सरकार ने आवश्यक लाइसेंस के लिए पहले ही आवेदन कर दिया है। उन्होंने कहा कि बेहतर हवाई संपर्क पुरुलिया के लिए व्यापक विकास योजना का हिस्सा होगा, जिसमें पर्यटन, बुनियादी ढांचे और औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार भी शामिल है। अधिकारी ने पत्रकारों से कहा कि राज्य सरकार की पुरुलिया को उद्योग के एक बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि अगले एक साल में जिले में करीब एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है।रक्षा, इस्पात, सीमेंट और सौर ऊर्जा क्षेत्रों से जुड़े प्रस्तावों पर काम चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा,हमें यहां विमानों का परिचालन शुरू करना है। उड़ान योजना के तहत हवाई अड्डे के लिए 28 सितंबर को केंद्र के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।इसी वजह से परिवहन सचिव आज मेरे साथ यहां आए थे। सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नागरिक उड्डयन विभाग के एक प्रतिनिधि भी यहां मौजूद थे।'' उन्होंने कहा, एक साल के भीतर यहां कुल एक लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा। मैंने रघुनाथपुर में 5,000 करोड़ रुपये की परियोजना के लिए भूमि पूजन किया है। यहां रक्षा, इस्पात, सीमेंट और अन्य उद्योग स्थापित करने के प्रस्ताव हैं। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक मांग सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय लोगों के विकास के लिए सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि हर परिवार को रोजगार मिले और सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले।

वाराणसी में 30 लाख के इनामी नज़सली बृजेश गंझू ढेर

वाराणसी २०/०९ (संवाददाता): उज़र प्रदेश के वाराणसी में रविवार सुबह उज़र प्रदेश एटीएस और रामनगर पुलिस की टीम ने मुठभेड़ में 30 लाख रुपये के इनामी नज़सली कमांडर बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता को मार गिराया। मुठभेड़ रामनगर थाना क्षेत्र के लंका मैदान के पास हुई। पुलिस के मुताबिक, बृजेश प्रतिबंधित संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी यानी टीपीसी का कमांडर था। बृजेश पर कुल 30 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इसमें झारखंड सरकार की ओर से 25 लाख रुपये और एनआईए की ओर से 5 लाख रुपये शामिल थे। वह कई मामलों में वांछित था। पुलिस के मुताबिक, एटीएस को बृजेश के वाराणसी में होने की जानकारी मिली थी। वह अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल से टेंगरा मोड़ से मुगलसराय की तरफ जा रहा था।टीम ने उसे रोकने की कोशिश की। पुलिस का कहना है कि बृजेश ने रुकने के बजाय गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी। घायल हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मुठभेड़ के दौरान एटीएस के उपाधीक्षक विपिन राय और हेड कांस्टेबल नितेंद्र कृष्ण की बुलेटप्रूफ जैकेट पर भी गोलियां लगीं। दोनों पुलिसकर्मी सुरक्षित रहे। पुलिस ने घटनास्थल से सबूत जुटाने और मुठभेड़ की पूरी घटना की जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उज़र प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्ण ने बृजेश गंझू के एनकाउंटर पर कहा, आज सुबह एक नज़सली कमांडर के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई, जिस पर कुल 30 लाख रुपये का इनाम था। इसमें दूसरे राज्यों की ओर से 25 लाख रुपये और एनआईए की ओर से 5 लाख रुपये का इनाम था। इस कार्रवाई में उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि उज़र प्रदेश पुलिस की अपराधियों और माफिया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है और इसी नीति के तहत लगातार कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बृजेश गंझू झारखंड के चतरा जिले का रहने वाला था और प्रतिबंधित संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी से जुड़ा था। पुलिस और जांच एजेंसियों के मुताबिक, वह संगठन में कमांडर की भूमिका में था और उसके खिलाफ कई मामले दर्ज थे।

दीये जलाने के लिए पैसे हैं, छात्रावास के लिए ज़्यों नहीं- राहुल गांधी

नयी दिल्ली २०/०९ (संवाददाता): कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्राओं के लिए छात्रावास की कमी को लेकर सरकार से सवाल किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर बड़े स्तर पर हुए दीप जलाने के कार्यक्रम का जिक्र करते हुए पूछा कि सरकार के पास दीये जलाने के लिए पैसा है, तो छात्राओं के लिए छात्रावास बनाने के लिए ज़्यों नहीं। राहुल गांधी ने शनिवार को इंदौर में हुए अपने 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान एक छात्रा से हुई बातचीत का जिक्र किया। छात्रा ने उच्च शिक्षा के लिए इंदौर आने के बाद सुरक्षित और कम खर्च में रहने की परेशानी के बारे में बताया था। राहुल गांधी ने रविवार को 'एक्स' पर लिखा, सरकार के पास दीये जलाने के लिए पैसे हैं, हमारे छात्रावास के लिए ज़्यों नहीं? उन्होंने बताया कि इंदौर में एक छात्रा ने उनसे यह सवाल पूछा था।राहुल गांधी के मुताबिक, छात्रा पढ़ाई के लिए एक गांव से इंदौर आई थी, लेकिन छात्रावास की सुविधा नहीं होने के कारण उसे पीजी में रहना पड़ा। उन्होंने कहा, छात्रावास नहीं है, इसलिए उसे पीजी में रहना पड़ता है। सिर्फ सुरक्षित रहने के लिए लाखों रुपये खर्च हो जाते हैं। हर महीने के किराये की चिंता और बेघर होने का डर, इन सबके बीच उसे पढ़ाई करनी पड़ती है। राहुल गांधी ने कहा कि रहने की जगह नहीं मिलने के कारण कई लड़कियां अपनी पढ़ाई छोड़ देती हैं। राहुल गांधी ने आवास भज़े को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, आवास भज़े का ज़्या? महंगाई के साथ यह बढ़ता नहीं है और ऊपर से इसमें भ्रष्टाचार हो जाता है। उन्होंने कहा, कई लड़कियां इसी वजह से अपनी पढ़ाई छोड़ देती हैं ज़्योंकि रहने के लिए जगह नहीं होती। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टैग करते हुए पूछा कि ज़्या आपके पास उस छोटी बच्ची के सवाल का कोई जवाब है? राहुल गांधी का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर हुए बड़े स्तर के दीप जलाने के कार्यक्रम के कुछ दिन बाद आया है। मोदी के जन्मदिन के मौके पर 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम के तहत देश में दीप जलाए गए थे। 'हिंदुस्तान टाइज़्स' की पहले की रिपोर्ट के मुताबिक, 17 सितंबर को मध्य प्रदेश में एक साथ करीब 3.55 करोड़ दीये जलाए गए थे। उज्जैन में शिप्रा नदी के घाटों और महाकाल लोक में 33.27 लाख दीये जलाए गए थे। 'आशीर्वाद का दिया' अभियान पर कुल कितना खर्च हुआ, इसकी कोई आधिकारिक सार्वजनिक जानकारी उपलज़्ध नहीं है। 'द मॉर्निंग वॉइस' में प्रकाशित एक अनुमान के अनुसार, उज्जैन के कार्यक्रम के लिए करीब 45,000 लीटर तेल की जरूरत पड़ी थी।

हामिद अंसारी के बयान पर सीएम योगी का पलटवार, सनातन परंपरा के अपमान का लगाया आरोप

लखनऊ २०/०९ (संवाददाता): उज़र प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पूर्व उपराष्ट्रपति मोहज़्मद हामिद अंसारी पर भारत की छवि धूमिल करने का प्रयास करने का आरोप लगाया और कहा कि उनके बयान ''भारत की सनातन परंपरा को अपमानित करने वाले एवं हिंदू परंपरा का अनादर करने वाले'' हैं। ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में आयोजित 'प्रेरणा विमर्श' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपराओं को खतरे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने एक दिन पहले अंसारी द्वारा दिए गए ''दुर्भाग्यपूर्ण बयान'' का जिक्र किया। पूर्व उपराष्ट्रपति ने शनिवार को नयी दिल्ली में संविधान विशेषज्ञ और लेखक ए जी नूरानी की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के उस विचार का उल्लेख किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि ''भारत के लिए वास्तविक खतरा साज़्यवाद नहीं, बल्कि हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता है।'' अंसारी ने इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में नूरानी की 2019 में प्रकाशित पुस्तक 'द आरएसएस = ए मेनेस टू इंडिया' का भी उल्लेख किया था।

आदित्यनाथ ने कहा, ''...भारत की परंपराओं और संस्कृति को लेकर उनके बयान वास्तव में चिंताजनक हैं। भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया। उन्होंने सनातन परंपरा को अपमानित करने वाले और हिंदू परंपरा का अनादर करने वाले बयान दिए तथा इसे आतंकवाद से जोड़ने का दुर्भावनापूर्ण प्रयास किया।'' उन्होंने कहा, ''वैश्विक संदर्भ में भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है, ज़्योंकि यह सनातन धर्म की भूमि है और यहां के अधिकतर लोग अपनी परंपराओं, ऋषि-मुनियों की परंपरा, पूर्वजों, देवी-देवताओं और सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते हैं।'' मुज़्यमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और उनके कथित ''झूठ की गूंज'' कार्यक्रम को महिलाओं का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय सामाजिक परंपराएं लोगों को महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों का सम्मान करना सिखाती हैं। आदित्यनाथ ने कहा, ''मान लीजिए हम किसी संकरे रास्ते से जा रहे हैं और सामने कोई बुजुर्ग, महिला, दिव्यांग व्यक्ति या हमसे वरिष्ठ व्यक्ति आ जाए तो हमारी परंपरा है कि हम रास्ते से हटकर कहते हैं- पहले आप।'

आकाश के बाद अब दीपिका भी बाहर, मायावती ने अब ईशान आनंद को दिया मौका

२०/०९ (संवाददाता): बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने परिवार के राजनीतिक भविष्य को लेकर एक बार फिर बड़ा फैसला किया है। ताजा जानकारी के मुताबिक, अब उनके भाई आनंद कुमार की बेटी कुमारी दीपिका आनंद को भी पार्टी में कोई जिज़्मेदारी नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही मायावती ने अपने छोटे भतीजे ईशान आनंद को पार्टी में जिज़्मेदारी देकर आगे बढ़ाने की बात कही है। मायावती ने अपने फैसले को परिवार से ज्यादा पार्टी और बहुजन समाज के हित से जोड़ते हुए कई पुराने उदाहरण भी दिए हैं। मायावती ने कहा कि राजनीति में सफल होने और समाज के लिए काम करने के लिए भाई-बहनों और करीबी रिश्तेदारों के मोह से ऊपर उठकर ईमानदारी और निष्ठा से काम करना जरूरी है।उन्होंने बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम का उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीति में आने के बाद उन्होंने अपने करीबी रिश्तेदारों को राजनीतिक फायदा देने से दूरी बनाए रखी थी। उनके मुताबिक, रिश्तेदारों को केवल पार्टी संगठन में बिना किसी निजी लाभ के काम करने की अनुमति थी। मायावती ने कहा कि उन्होंने भी कांशीराम के इसी रास्ते पर चलने का फैसला किया और अपना पूरा जीवन बहुजन समाज के लिए समर्पित किया। मायावती ने अपने बड़े भतीजे आकाश आनंद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आनंद कुमार के खास आग्रह पर उन्होंने आकाश आनंद को राजनीति में आगे बढ़ाया था। हालांकि, मायावती के मुताबिक शादी के बाद आकाश के व्यवहार और गतिविधियों में बदलाव आया। मायावती ने कहा कि इसी वजह से उन्हें पार्टी से अलग करना पड़ा। उन्होंने आकाश पर अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में काम करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में आकाश को दोबारा पार्टी में शामिल करना पार्टी के साथ विश्वासघात होगा। मायावती ने अब यह साफ किया है कि दीपिका आनंद को भी पार्टी में कोई राजनीतिक जिज़्मेदारी नहीं दी जाएगी। उन्होंने परिवार के सदस्यों को जिज़्मेदारी देने के मामले में सावधानी बरतने की बात कही है।मायावती का कहना है कि शादी के बाद दीपिका भी आकाश की तरह ससुराल पक्ष के प्रभाव में आ सकती हैं। इसी संभावना को देखते हुए उन्होंने दीपिका को पार्टी की जिज़्मेदारी से दूर रखने का फैसला किया है।यह फैसला कुछ दिन पहले के उनके रुख से अलग है। 12 सितंबर को मायावती ने कहा था कि अगर आनंद कुमार को पार्टी के काम में परिवार के किसी सदस्य की मदद की जरूरत हो तो उनकी बेटी दीपिका इसमें मदद कर सकती हैं। दीपिका को जिज़्मेदारी से दूर रखने के बाद मायावती ने अब ईशान आनंद को फिर से मौका देने की बात कही है। हालांकि, उन्होंने ईशान को भी साफ चेतावनी दी है कि पार्टी विरोधी किसी गंभीर गतिविधि में शामिल होने पर उन्हें भी पार्टी से बाहर किया जा सकता है। मायावती ने कहा कि अगर ईशान के साथ भी ऐसी स्थिति बनती है तो आनंद कुमार के परिवार के किसी दूसरे सदस्य को पार्टी में छोटी या बड़ी कोई जिज़्मेदारी नहीं दी जाएगी। इसके बजाय पार्टी में काम कर रहे किसी मिशनरी और वफादार कार्यकर्ता को आगे बढ़ाया जाएगा। अपने फैसले को समझाते हुए मायावती ने कांशीराम और डॉ. भीमराव आंबेडकर का उदाहरण दिया। उन्होंने 23 फरवरी 1956 के उस पत्र का भी जिक्र किया, जो उनके मुताबिक डॉ. आंबेडकर ने अपने बेटे यशवंत आंबेडकर को लिखा था। मायावती ने कहा कि इस उदाहरण से यह साफ होता है कि सार्वजनिक काम और आंदोलन के हित में जरूरत पड़ने पर परिवार के सदस्यों के खिलाफ भी फैसला लिया जा सकता है। मायावती ने अपने संदेश के अंत में कहा कि समस्त बहुजन समाज ही मेरा असली परिवार है। उन्होंने कहा कि सज़ा की मास्टर चाबी के जरिए बहुजन समाज को शोषित से शासक वर्ग बनाना और उनके हित व कल्याण को सुनिश्चित करना उनका मिशन है।

विविध समाचार

जयशंकर से सिसोदिया तक, बड़े नामों को मिला एसआईआर का नोटिस, ज़्यों?

नयी दिल्ली २०/०९ (संवाददाता): दिल्ली में मतदाता सूची की जांच के दौरान कई बड़े नामों को चुनाव आयोग की ओर से नोटिस मिला है। इनमें विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनकी पत्नी ज़्योको जयशंकर, पूर्व दिल्ली उपमुज़्यमंत्री मनीष सिसोदिया और उनका परिवार, सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद और उनका परिवार, पूर्व सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और उनकी पत्नी और सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज रंजना देसाई का परिवार शामिल है। इसके अलावा कई मौजूदा और पूर्व बड़े अधिकारियों को भी नोटिस मिला है। कहीं वोटर रिकॉर्ड पिछली सूची से नहीं जुड़ पाया, तो कहीं नाम या परिवार की जानकारी में अंतर मिला है। एस जयशंकर और उनकी पत्नी को 'पिछली एसआईआर की सूची से रिकॉर्ड नहीं जुड़ा' वाली श्रेणी में रखा गया है। आसान भाषा में समझें तो उनके मौजूदा वोटर रिकॉर्ड को 2002 में तैयार की गई पिछली सूची से जोड़ा नहीं जा सका।दोनों नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के सुंदर बाग इलाके में वोटर के तौर पर दर्ज हैं। सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद, उनकी पत्नी वनिता सूद और उनकी मां कमलेश सूद को भी इसी वजह से नोटिस मिला है।पूर्व सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और उनकी पत्नी सुनीता द्विवेदी के वोटर रिकॉर्ड भी पिछली सूची से नहीं जुड़ पाए। दोनों नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में वोटर हैं।पूर्व दिल्ली उपमुज़्यमंत्री मनीष सिसोदिया और उनके परिवार के सदस्यों को भी नोटिस मिला है। सिसोदिया को मिले नोटिस में कोई खास वजह नहीं बताई गई है। उनकी पत्नी सीमा सिसोदिया के रिकॉर्ड में नाम को लेकर अंतर पाया गया है। वहीं, उनके बेटे मीर सिसोदिया के रिकॉर्ड में माता-पिता के नाम को लेकर अंतर बताया गया है। सूत्रों के मुताबिक, सिसोदिया परिवार को इन नोटिसों के बारे में पहले जानकारी नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज रंजना देसाई और उनके परिवार के तीन सदस्यों को भी नोटिस मिला है। इनमें उनके पति प्रकाश देसाई, बेटे और वकील माइक देसाई और बहू साक्षी देसाई शामिल हैं। इन सभी के वोटर रिकॉर्ड को पिछली एसआईआर की सूची से जोड़ा नहीं जा सका।मार्क्सवादी कज़्युनिस्ट पार्टी के सांसद जॉन ब्रिटास की पत्नी शेबा ब्रिटास और बेटे आनंद ब्रिटास को भी नोटिस मिला है। शेबा के रिकॉर्ड में उनके नाम को लेकर अंतर मिला है, जबकि आनंद के रिकॉर्ड में माता-पिता के नाम को लेकर अंतर बताया गया है।एसआईआर की जांच में कई मौजूदा और पूर्व बड़े अधिकारी भी शामिल हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्री, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे, प्रधानमंत्री के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार अजय कुमार सूद और स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव को भी नोटिस मिला है। इनका रिकॉर्ड पिछली एसआईआर की सूची से नहीं जुड़ पाया। इसके अलावा मत्स्य सचिव अभिलक्ष लिखी, उर्वरक सचिव रजत कुमार मिश्रा और भूमि संसाधन सचिव नरेंद्र भूषण के नाम भी इस सूची में हैं।कुछ अधिकारियों के नाम या परिवार की जानकारी में अंतर मिलने पर भी नोटिस दिया गया है। व्यय सचिव वुमलुनमंग वुअलनाम और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के संजय मूर्ति भी इनमें शामिल हैं। के संजय मूर्ति के मामले में माता-पिता के नाम को लेकर अंतर बताया गया है।एसआईआर के दौरान अगर किसी वोटर का मौजूदा रिकॉर्ड पिछली वोटर लिस्ट से नहीं जुड़ पाता है, तो उसे इस श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे वोटरों से जवाब और जरूरी कागजात मांगे जाते हैं।इसके बाद चुनावी पंजीकरण अधिकारी उनके जवाब और दस्तावेजों की जांच करते हैं। सिर्फ नोटिस मिलने का मतलब यह नहीं है कि किसी व्यक्ति को वोट देने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है। अंतर्राष्ट्रीयसमाचार पढ़ें

नोटिस की प्रक्रिया को 29 अज़्टूबर तक पूरा किया जाना है। इसके बाद अंतिम वोटर लिस्ट 4 नवंबर को जारी होने की बात कही गई है। इससे कुछ दिन पहले दिल्ली के पूर्व मुज़्यमंत्री और आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल और उनके परिवार के चार सदस्यों को भी इसी तरह का नोटिस मिला था। केजरीवाल, उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल, पिता गोबिंद राम केजरीवाल, मां गीता देवी और 25 वर्षीय बेटे पुलकित केजरीवाल के वोटर रिकॉर्ड जांच के लिए चुने गए थे। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के एक हिस्से में कुल 110 वोटरों के रिकॉर्ड इस तरह जांच के लिए रखे गए थे। बाद में निर्वाचन अधिकारी ने बताया था कि केजरीवाल और उनके परिवार के सदस्यों की ओर से जमा किए गए फॉर्म में पिछली सूची से रिकॉर्ड जोड़ने के लिए जरूरी पूरी जानकारी नहीं थी।

दिल्ली की मुज़्यमंत्री रेखा गुप्ता को भी एसआईआर के दौरान नोटिस मिला था। उनके मामले में उम्र को लेकर अंतर सामने आया था। इसके बाद बूथ स्तर के अधिकारी ने उनके रिकॉर्ड की मौके पर जाकर जांच की। जांच के बाद उनके दस्तावेज और वोटर रिकॉर्ड सही पाए गए। उनका नाम शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र की अंतिम वोटर लिस्ट में शामिल किया जाएगा।

२१ सितंबर का इतिहास: १८५७ में अंतिम मुगल बादशाह बहादूर शाह जफर को ब्रिटिश सेना ने किया था गिरफ्तार

नयी दिल्ली २०/०९ (संवाददाता): मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर का जिक्र आते ही उनकी उर्दू शायरी और हिंदुस्तान से उनकी मोहज़्बत की भी बात होती है। कहने को तो वह 1837 में बादशाह बने, लेकिन तब तक देश के काफी बड़े इलाके पर अंग्रेजों का कज़्जा हो चुका था। सल्तनत के नाम पर उनके पास कुछ ही इलाके बचे थे। सन 1857 में क्रांति की चिंगारी भड़की तो सभी विद्रोही सैनिकों और राजा-महाराजाओं ने उन्हें हिंदुस्तान का सम्राट माना और उन्होंने भी अंग्रेजों को खदेड़ने का आह्वान किया, लेकिन 82 बरस के बूढ़े बहादुर शाह जफर की अगुवाई में लड़ी गई यह लड़ाई कुछ ही दिन चली और 21 सितंबर को अंग्रेजों ने उन्हें गिरज़्तार कर लिया। उन पर मुक़दमा चलाया गया और उन्हें रंगून (आज का ज़्यांमा) निर्वासित कर दिया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। देश और दुनिया के इतिहास में 21 सितंबर की

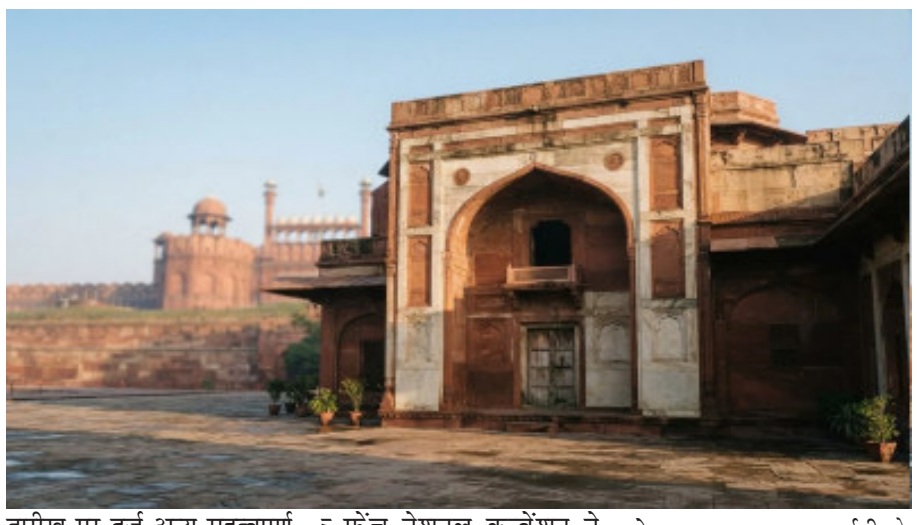

तारीख पर दर्ज अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का सिलसिलेवार ज़्योरा इस प्रकार है-1677 = नीदरलैंड के जॉन और निकोल्स वान डर हेडेन को अग्निशामक यंत्र के लिए पेटेंट मिला। 1784 = पेनसिलवेनिया पैकेट एंड जनरल एडवरटाइजर नाम से अमेरिका का पहला दैनिक अखबार छपा। 1790 = पालघाट ने 60 बंदूकों के साथ जनरल मिडोज के नेतृत्व वाली ब्रिटिश सेना की टुकड़ी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। 1792 = फ्रेंच नेशनल कन्वेंशन ने राजशाही को समाप्त करने के लिए मतदान किया। 1857 = अंग्रेजों ने अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर को गिरज़्तार किया। इससे एक दिन पहले वह ब्रिटिश फौज के हाथों दिल्ली हार बैठे थे तथा उनके सामने आत्मसमर्पण के अलावा और कोई चारा नहीं था। 1866 = ब्रिटेन के प्रज़्यात लेखक व इतिहासकार हर्बर्ट जॉर्ज वेल्ज़ का जन्म। 1883 = अमेरिका और ब्राजील के बीच टेलीग्राफ सेवा शुरू। 1921 = जर्मनी के ओपू में एक केमिकल प्लांट में धमाके में 800 लोगों की मौत। 1934 = जापान के होंसू द्वीप पर आए भयंकर तूफान से 4000 लोगों की मौत। 1949 = चीन में कज़्युनिस्ट नेताओं ने 'पीपुल्स रिपज़्लिक ऑफ चाइना' पार्टी की घोषणा की। 1964 = माल्टा ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता हासिल की। 1985 = उज़र और दक्षिण कोरिया ने परिवारों की मुलाकात के लिए अपनी सीमाएं खोली। 1991 = आर्मेनिया को सोवियत संघ से स्वतंत्रता मिली। 1999 = मध्य ताइवान में भूकंप से 2400 लोगों की मौत। 2004 = अमेरिका ने लीबिया से आर्थिक प्रतिबंध हटाए। 2020= दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट एवरेस्ट के शिखर पर ऑज़्सीजन सिलेंडर के बिना 10 बार चढ़ने वाले नेपाल के मशहूर पर्वतारोही अंग रीता शेरपा का निधन। 2023= संसद ने 128वें संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी दी, जिसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण का प्रावधान है।

2024= आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने दिल्ली की आठवीं मुज़्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित के बाद वह दिल्ली की तीसरी महिला मुज़्यमंत्री बनीं। 2025 = ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा ने अमेरिका और इजराइल के विरोध को दरकिनार करते हुए फलस्तीनी राष्ट्र को औपचारिक रूप से मान्यता देने की पुष्टि की।

देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, स्टैंड-अप कॉमेडियन बनने की दी सलाह

मुंबई २०/०९ (संवाददाता): महाराष्ट्र के मुज़्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस नेता को पार्टी छोड़कर 'स्टैंड-अप कॉमेडियन' बन जाना चाहिए। फडणवीस ने राहुल गांधी द्वारा एक दिन पहले इंदौर में आयोजित ''छात्रों की गूंज'' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कथित रूप से मजाक उड़ाने के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''जिस तरह से राहुल गांधी नकल कर रहे हैं, मुझे लगता है कि उन्हें पार्टी छोड़कर 'स्टैंड-अप कॉमेडियन' बन जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की वजह से कांग्रेस ''बेरोजगार'' हो गई है इसलिए अगर वह हास्य कलाकार बनने का विकल्प चुनते हैं तो कम से कम उन्हें कुछ काम मिल जाएगा। मुज़्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग विशिष्ट यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाए जाने को लेकर दुष्प्रचार फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। मुंबई में पेट्रोल पंप संचालकों ने कथित

तौर पर धमकी दी है कि अगर सरकार संशोधित 'मर्चेंट डिस्काउंट रेट' (एमडीआर) को वापस नहीं लेती है तो वे 15 अज़्टूबर से 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान स्वीकार करना बंद कर देंगे। फडणवीस ने इस मांग के बारे में पूछे जाने पर कहा कि इस तरह का रुख अपनाना उचित नहीं है ज़्योंकि यूपीआई ने उनके कारोबार का विस्तार किया है। उन्होंने कहा, ''पेट्रोल पंपों के लेनदेन अब पारदर्शी हो गए हैं और लोग भी बड़े पैमाने पर यूपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। बहुत मामूली शुल्क लगाया गया है।'' फडणवीस ने कहा कि एमडीआर लगाने की सिफारिश करने वाली संसद की समिति में पूर्व विज़ मंत्री पी. चिदंबरम और कांग्रेस के तीन अन्य वरिष्ठ नेता शामिल थे। उन्होंने कहा, ''सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह शुल्क सभी लेनदेन पर लागू नहीं होगा, बल्कि केवल कुछ निर्धारित लेनदेन पर लगाया जाएगा। लेकिन इसे लेकर दुष्प्रचार फैलाने की कोशिश की जा रही है।'' मुज़्यमंत्री ने कहा, ''मेरा मानना है कि सभी को यह समझना चाहिए कि व्यापार को बढ़ावा देने और भ्रष्टाचार कम करने में यूपीआई तथा डिजिटल लेनदेन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मातोश्री के बाहर दिशा सालियन के पिता सतीश सालियन का हाई-वोल्टेज ड्रामा

मुंबई २०/०९ (संवाददाता): दिवंगत सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियन के पिता सतीश सालियन ने शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे को 500 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजा। यह नोटिस दिशा की मौत की दोबारा जांच की मांग को लेकर आदित्य ठाकरे की ओर से की गई कथित टिप्पणी के बाद दिया गया है। सतीश सालियन अपने वकील नीलेश ओझा और कानूनी टीम के साथ मुंबई के बांद्रा ईस्ट स्थित कलानगर में मातोश्री पहुंचे। आदित्य ठाकरे के वकील राहुल दिवाते और अनिल जाधव ने नोटिस स्वीकार किया। सतीश सालियन करीब शाम 4 बजे मातोश्री पहुंचे। इस दौरान बड़ी संज़्या में पुलिसकर्मी और मीडिया मौजूद था। शिवसेना (यूबीटी) के कई कार्यकर्ता भी वहां जुटे हुए थे। पुलिस ने सतीश सालियन और उनकी कानूनी टीम को कलानगर में प्रवेश की अनुमति दी, लेकिन सुरक्षा कारणों से ठाकरे परिवार के आवास के दरवाजे बंद रखे

गए। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अनिल देसाई और विधान परिषद सदस्य अनिल परब भी अपनी कानूनी टीम के साथ वहां मौजूद थे। दिशा सालियन की 2020 में मुंबई के मलाड इलाके में एक ऊंची इमारत से गिरने के बाद मौत हो गई थी। मुंबई पुलिस ने पहले जांच में किसी साजिश की बात से इनकार किया था। इसके बाद उनके पिता सतीश सालियन ने बॉज़्बे हाई कोर्ट में उनकी मौत की परिस्थितियों की नए सिरे से जांच की मांग की। 2 सितंबर 2026 को हाई कोर्ट ने सीबीआई को मामले की जांच करने, सतीश सालियन का बयान दर्ज करने और एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था। साथ ही अदालत ने कहा था कि जांच में पर्याप्त सामग्री मिलने तक किसी व्यक्ति को आरोपी नहीं माना जाए। सीबीआई ने 14 सितंबर को एफआईआर दर्ज की, जिसमें आदित्य ठाकरे समेत कई लोगों के नाम शामिल हैं। हालांकि, हाई कोर्ट के निर्देश के मुताबिक किसी व्यक्ति को पर्याप्त सबूत मिलने तक आरोपी नहीं माना जाना है। गुरुवार को आदित्य ठाकरे ने दिशा सालियन को जानने या उनसे कभी मिलने से इनकार किया था। उन्होंने दिशा की मौत से उनका नाम जोड़ने की कोशिशों को राजनीतिक मकसद से की गई कार्रवाई बताया था।सतीश सालियन ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा, केवल भगवान ही मुझे नियंत्रित कर सकते हैं, कोई और नहीं। उनके वकील नीलेश ओझा ने कहा, आदित्य ठाकरे को माफी मांगनी चाहिए या मानहानि की कार्रवाई का सामना करना चाहिए। रिपोर्टों के मुताबिक, मानहानि नोटिस में माफी मांगने, संबंधित बयानों को वापस लेने और 500 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की गई है। नोटिस में जवाब के लिए सात दिन का समय दिए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

इंडिया ज़्लॉक पूरी तरह एकजुट, जो लोग छोड़ना चाहते हैं, वे स्वतंत्र हैं-अखिलेश यादव

लखनऊ २०/०९ (संवाददाता): समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि इंडिया ज़्लॉक पूरी तरह एकजुट है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 2027 के उज़र प्रदेश विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी बीजेपी के खिलाफ 'इंडिया ज़्लॉक' के एकजुट ढांचे के भीतर ही चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में मिली सफलता के बाद यह गठबंधन अभी भी मजबूत है और विधानसभा चुनाव में इसके ज़रिये ही मुकाबला होगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन बरकरार है... जो लोग गठबंधन छोड़ना चाहते हैं, वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। यह (2027 यूपी विधान सभा) चुनाव लड़ेगा।अखिलेश यादव ने कहा कि कई राजनैतिक दल जो कुछ दिन पहले स्वदेशी नारा देते थे, उन्होंने हमारे बाज़ार को विदेशियों से कज़्जा करा दिया।

इससे पहले रविवार को लखनऊ स्थित सपा मुज़्यालय में विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यादव ने आरोप लगाया कि प्रदेश में अराजकता और

प्रशासनिक अव्यवस्था का बोलबाला है। उन्होंने कहा कि भाजपा भू-माफियाओं को संरक्षण देती है जो सरकारी और गरीब लोगों की जमीन पर अवैध कज़्जा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बिजली और कानून व्यवस्था जैसे आवश्यक क्षेत्र बदहाल हैं। यादव ने यह भी सवाल उठाया कि जब भारतीय बाजार चीनी सामानों से भरे पड़े हैं, तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेतृत्व स्वदेशी उत्पादों की वकालत ज़्यों नहीं करता। उन्होंने स्थानीय बाजारों में विदेशी उत्पादों के वर्चस्व के लिए केंद्र की भाजपा सरकार को जिज़्मेदार ठहराया।

प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने बिहार विधान परिषद चुनाव के लिए 5 प्रत्याशी उतारे

पटना२०/०९ (संवाददाता): जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार विधान परिषद की पांच सीट पर होने वाले चुनाव के लिए रविवार को उज़्मीदवारों के नामों की घोषणा की। इन सीट पर जल्द चुनाव की घोषणा होने की संभावना है। बिहार विधान परिषद की कुल आठ सीट के लिए चुनाव होना है, जिनमें चार स्नातक निर्वाचन क्षेत्र और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं, जिनके सदस्यों का कार्यकाल नवंबर में समाप्त हो रहा है। किशोर ने संवाददाता सज़्मेलन में पांच उज़्मीदवारों के नामों की घोषणा की।

इनमें अफाक अहमद भी शामिल हैं जो सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से दोबारा चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने छह साल पहले पूर्व चुनाव रणनीतिकार किशोर के समर्थन से यह सीट जीती थी। उस समय किशोर ने अपनी पार्टी का गठन नहीं किया था। पिछले हज़्ते पार्टी में शामिल हुई वकील और शिक्षाविद दिव्या ज्योति को पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से उज़्मीदवार बनाया गया है। इस सीट पर अभी जनता दल (यूनाइटेड) के मुज़्य प्रवक्ता नीरज कुमार का कज़्जा है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से एस पी राय, दरभंगा स्नातक सीट से रवींद्र यादव और कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से रजनीश रंजन को भी मैदान में उतारा है।

किशोर ने कहा कि तीन अन्य सीट के लिए उज़्मीदवारों के नामों की घोषणा अगले तीन-चार दिनों में की जाएगी। बांकीपुर विधानसभा सीट से विधायक किशोर ने कहा कि जेएसपी शिक्षकों के विभिन्न संगठनों को एक साथ लाने और उनकी मांगों को पूरा कराने के लिए एक संयुक्त संघर्ष समिति बनाने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी तीन मुज़्य मांगों के लिए अभियान चलाएगी, जिनमें शिक्षकों के लिए सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करना, सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षकों को नियमित शिक्षकों की श्रेणी में लाना और शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक काम सौंपने के लिए नियम तय करना शामिल है। किशोर ने कहा कि इन मांगों को जन सुराज की मांगों के रूप में माना जाएगा और दावा किया कि पार्टी शिक्षकों के साथ मिलकर सरकार पर दबाव बनाएगी ताकि अगले लोकसभा चुनाव से पहले इन्हें पूरा कराया जा सके। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं को संबोधित करते हुए किशोर ने यह भी वादा किया कि अगर जेएसपी उज़्मीदवार जीतते हैं तो हर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में बेरोजगार स्नातकों के लिए 10,000 नौकरियां उपलज़्ध कराई जाएंगी।

यह उसी तरह का रोजगार संबंधी वादा है जैसा उन्होंने अपनी बांकीपुर विधानसभा सीट के पढ़े-लिखे बेरोजगार मतदाताओं से किया था। यह चुनाव बिहार विधानसभा चुनाव से अलग होगा और इसमें करीब 30 जिलों में फैले चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की आठ सीट शामिल होंगी।

जानकारी

ब्लैक फूड खाएं, अच्छी सेहत और गोरा रंग पाएं

फिर चाहे बात कपड़ों को चुनने की हो या खाने की। पहली पसंद हमेशा ब्लैक ही रहती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी यह पसंद आपकी सेहत के लिए कितनी फायदेमंद हो सकती है। शायद आपको इस बात की जानकारी नहीं होगी कि ब्लैक फूड का सीमित मात्रा में सेवन कई तरह की बीमारियों के इलाज में मदद करता है। साथ ही इसके सेवन से आप अपनी त्वचा की रंगत को गोरा भी बना सकते हैं। आइए ऐसे ही ब्लैक फूड के बारे में जानें जो आपकी सेहत के साथ त्वचा के लिए भी फायदेमंद होते हैं।

काला नमक

काले नमक में सोडियम क्लोराइड, आयरन, कैल्शियम और पोटैशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसलिए यह ब्लेड प्रेशर और पाचन को ठीक रखता है। इससे शरीर में खून की कमी दूर होती है और हड्डियां मजबूत बनती है। नमक में मौजूद क्रोमियम एक्ने से लड़ता है और सल्फर त्वचा को साफ और कोमल बनाता है। इसके अलावा काले नमक वाला पानी पीने से एग्जिमा और रैश की समस्या दूर होती है।

काले चने

काले चने में एंटीऑक्सीडेंट्स के साथ-साथ फाइबर भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से आपकी पाचन क्रिया सही रहती है। काले चने केवल स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि त्वचा के बहुत फायदेमंद होता है। चना खाकर चेहरे की रंगत को बढ़ाया जा सकता है।

ब्लैक बीन्स

बीन्स फॉस्फोरस, आयरन, कॉपर, मैग्नीशियम और पोटैशियम की भी अच्छा स्रोत है। साथ ही इसमें फैट की मात्रा तो कम होती ही है, और इससे शरीर के लिए आवश्यक ओमेगा-3 और ओमेगा-6 की पूर्ति भी होती है। ब्लैक बीन्स बॉडी के टॉक्सिन्स दूर होते हैं। यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करते है और डायबिटीज से बचाने में मदद करते हैं। साथ ही आपके त्वचा की रंगत भी निखारती हैं।

काले अंगूर

काले अंगूर में ऐसे एंटी-आक्सीडेंट भी पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं। इसके अलावा काले अंगूर हमारे चेहरे की त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। काले अंगूर का सेवन करने से त्वचा में भी चमक आ जाती है और चेहरे पर होने वाले दाग धब्बों, झुर्रियों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके सेवन से त्वचा जवां और निखरी हुई लगती है। इनमें मौजूद विटामिन सी स्किन सेल्स में जान भर देते हैं।

काली मिर्च

काली मिर्च में पेपरिन और प्रोटीन अधिक मात्रा में होते है। इससे वजन कम होता है और यह मसल्स मजबूत बनाने में फायदेमंद है। काली मिर्च में पाया जाने वाला पेपरिन पिगमेंटेशन को बढ़ाता है। इससे रक्त का संचार बढ़ता है तथा स्किन को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन प्राप्त होता है। काली मिर्च के उपयोग से त्वचा जवां बनी रहती है। काली मिर्च में मौजूद अधिक मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट त्वचा पर होने वाले दाग धब्बे और झुर्रियों से बचाते है।

रंगीन आहार सेहत का आधार

अलग-अलग रंगों के फल और सब्जियों की अपनी अलग ही खूबी होती है। यह खूबियां ही उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। शरीर को भी उन फलों और सब्जियों की जरूरत होती है। जिसमें एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होता है। गहरे लाल, गुलाबी और नारंगी रंग में फायटोकेमिकल भारी मात्रा में मिलते हैं। जो शरीर में हीमोग्लोबिन को बढ़ाते हैं। आइए जानें किस रंग के फल या सब्जी में कौन सी खूबी है और उसका हमारी सेहत पर क्या असर पड़ता है।

रंगीन पदार्थों में पोषक तत्व

फल और सब्जियां प्राकृतिक रूप से जितने रंगीन होते हैं, वे उतने ही अधिक स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक होते हैं। रंगीन फल या सब्जियों में बीटा-कैरोटीन, विटामिन बी समेत विभिन्न पोषक तत्व अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी इस बात को मानते हैं कि प्राकृतिक रंगों से भरपूर फल और सब्जी में एंटीऑक्सिडेंट विटामिन और मिनरल मौजूद होते हैं जो शरीर को कई प्रकार की बीमारियों से बचाते हैं। इसके अलावा अलग-अलग रंगों के खाद्य पदार्थ आपके शरीर के अलग-अलग हिस्सों को फायदा पहुंचाते हैं।

हरे रंग के खाद्य पदार्थ

ब्रोकोली, गोभी, पालक जैसी हरी सब्जियों में विटामिन बी और मिनरल होते हैं। इनके सेवन से मानसिक तनाव कम होता है और प्रतिरक्षा प्रणाली भी मजबूत होती है। इसके अलावा हरे फल और सब्जियों में लूटिन नामक फायटोकेमिकल भी होते हैं, जो लीवर की रक्षा करते हैं। इसलिए हरे रंग को अपने नियमित आहार का हिस्सा बनाये।

लाल फल और सब्जियां

टमाटर, तरबूज, लाल-गोभी इस श्रेणी में आते हैं। इनमें फाइटोकेमिकल्स और लाइकोपीन नामक रसायन भी होता है । जो किसी भी प्रकार की आंतरिक क्षति या सूरज की किरणों से होने वाली त्वचा की क्षति से सुरक्षा करता है। इसके अलावा दिल की रक्षा भी करता है। स्ट्रॉबेरी, रसबेरी तथा बीटरूट में एंथोसायनिन पाए जाते हैं। यह फायटोकेमिकल्स का ही एक समूह है, जो उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करता है और डायबिटीज से जुड़ी समस्याओं से बचाव करता है।

पीले रंग सब्जियां और फल

पीले रंग के खाद्य पदार्थों में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में होता हैं, यह मुक्त कण का मुकाबला कर शरीर में सूजन को कम करने, एलर्जी को रोकने और स्वस्थ त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। पीले रंग के फल में कैरोटिनायड और विटामिन एक प्रचुर मात्रा में होता है। जो ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम करते है। पीले रंग के खाद्य पदार्थों में नींबू, अनानास, पीली शिमला मिर्च, और अंगूर शामिल हैं।

काले रंग के खाद्य पदार्थ

बेशक काले रंग के कपड़े लोगों को पसंद होते हैं। लेकिन खान-पीने के मामले में काला रंग आमतौर पर लोगों को पसंद नहीं होता है। लेकिन यकीन मानिए, काले रंग के आहार आपके किडनी के लिए बहुत लाभकारी होता है। इसलिए मुनक्का और काले जैतून को सेवन अपने आहार में करें। इसके अलावा काले रंग की गाजर में प्रचुर मात्रा में एंथासाइनीन पाया जाता है, जो शरीर में कोलेस्ट्राल को कम करता है।

जामुनी सब्जियां और फल

जामुनी फल-सब्जियों को अपने आहार में शामिल करना मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। इसके लिए अंगूर, प्याज, जामुनी रंग की पत्तागोभी, बैंगन आदि को अपने आहार में शामिल करें। इसके अलावा ब्लूबेरी एंटी-ऑक्सिडेंट का बहुत अच्छा स्रोत है। ये दिल की बीमारी और कैंसर की आशंका को कम करती हैं और शरीर में बैक्टीरिया को जमा होने से भी रोकती हैं।

सफेद सब्जियां और फल

सफेद रंग की सब्जियां आपके फेफड़ों के लिए फायदेमंद होते हैं। इसमें विटामिन सी, बी कॉम्पलेक्स, सल्फर आयरन, कैल्शियम, मैंगनीज, फास्फोरस भरपूर मात्रा में होता है। इसके अलावा आलू, लहसुन, सफेद मशरूम आदि का सेवन करने से उच्च रक्तचाप के रोगियों का ब्लड प्रेशर सामान्य रहता है।

नारंगी सब्जियां और फल

नारंगी सब्जियां और फल नारंगी रंग के खाद्य पदार्थ बीटा कैरोटीन से उच्च होते हैं, इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ए भी प्रचुर मात्रा में होता है। प्लीहा को सुरक्षित रखने के लिए भी नारंगी रंग के खाद्य पदार्थ खाने चाहिए । क्योंकि संतरों में पाया जाने वाला भरपूर मात्रा में विटामिन सी और कुछ मात्रा में विटामिन ए, प्लीहा के लिए अच्छा होता है। इसके अलावा गाजर, कद्दू, शक्करकंद जैसी सब्जियां में बीटा कैरोटीन आंखों और त्वचा के लिए अच्छा होता है।

मौसम के अनुसार फलों और सब्जियों का सेवन

स्वस्थ आहारों के सेवन से बहुत सी बीमारियों को खतरा कम हो जाता है। लेकिन इन सब आहारों को लेते समय एक बात का ध्यान रखना चाहिए। कि मौसम के अनुसार ही रंगीन सब्जियों और फलों का सेवन करें। मौसम के अनुसार ही सही मात्रा में व सही समय पर फलों का सेवन करें।

सुझाव

घर में छिपे बैक्टीरिया से आप भी हैं अंजान

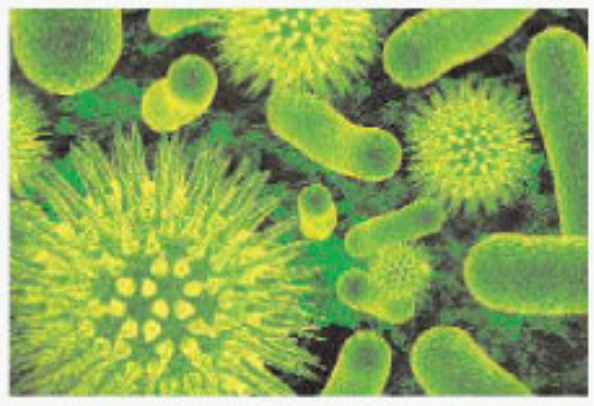

घर को साफ-सुथरा रखने के लिए यह जरूरी नही कि आप सुबह से लेकर शाम तक सफाई करती रहें या एंटीबैक्टीरियल स्प्रे से रूम को फ्रेश करती रहें। इसके लिए आपको छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना चाहिए। आज हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी दे रहे हैं। जो आपके बहुत काम आएगी।

किचन में है सबसे ज्यादा बैक्टीरिया

एक सर्वे के अनुसार रसोई सबसे संक्रमित होती है। ग्लोबल हाइजीन काउंसिल के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार रसोई में इस्तेमाल के कपड़े, चाकू व चॉपिंग बोर्ड, फ्रिज के भीतर के हिस्से 60 से 90 प्रतिशत तक संक्रमित पाए गए हैं। घर में हाइजीन की कमी फूड प्वॉइजनिंग, डायरिया या जल्दी-जल्दी बीमार पड़ने के अलावा अस्थमा के साथ-साथ जोड़ों के दर्द से परेशान लोगों की परेशानी को भी बढ़ाने वाली होती है। इन जगहों और वस्तुओं की सफाई करने की जरूरत है।

बेड रूम और ड्राइंग रूम

कारपेट, दरी, परदे, सोफे की गद्दियां, सॉफ्ट टॉयस व कुशन आदि की नियमित सफाई करें। गीले कपड़ों को रसोई या फिर बाथरूम में लंबे समय तक न छोड़ें। रात में सोने से पहले गीले कपड़ों को अच्छी तरह निचोड़कर सुखाना नमी से पैदा होने वाले बैक्टीरिया को पैदा होने से रोकता है। खाने-पीने की चीजों के बिखरे हुए टुकड़ों को यूं ही न छोड़ें। तुरंत सफाई कर दें। घर में यदि पेड़-पौधे व गमले है तो उसके आसपास के हिस्से की भी नियमित सफाई करें।

बाथरूम भी है निशाने पर

टॉयलेट, खासतौर पर बेसिन, टॉयलेट सीट व ऐसा कोई भी हिस्सा जो शरीर के संपर्क में आता है, वहां से रोग फैलाने वाले बैक्टीरिया के संपर्क में आने की आशंका अधिक होती है। काई, फफूंदी, नमी, दरारें रोग फैलाने वाले कीटाणुओं को तेजी से अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यदि बाथरूम में किसी छोटी-मोटी मरम्मत को लंबे समय से टाल रही हैं तो उसे ठीक कराने में ही समझदारी है। बाथरूम को अनावश्यक सामान से भरकर न रखें।

अन्य घरेलू वस्तुएं

गीले कपड़ों को खुला या बिखरा हुआ न छोड़ें। गीले कपड़ों पर बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। इस्तेमाल के बाद शैंपू की खाली बोतल, पैकेट, फेसवॉश व अन्य बोतलों को फेंक दें। एक्सपायरी प्रोडक्ट्स को जमा करके रखने में कोई समझदारी नहीं है। साबुनदानी की भी नियमित सफाई करें। किनारों पर जमने वाली साबुन पर गंदगी की परत जमने लगती है, जिस पर बैक्टीरिया पैदा होते हैं। यदि संभव है तो हर छह माह बाद नया टॉयलेट ब्रश खरीदें। अपने टूथब्रश को भी हर तीन माह पर बदलें और ब्रश करने के बाद उसे अच्छी तरह से धोना न भूलें।

आपके सारे दांत खराब कर सकती हैं ये आदतें

हमने बहुत बार यह बात सुनी है कि दांतों के बिना खाने का कोई स्वाद नहीं। दांतो खराब हो जाएं तो चेहरे की सुंदरता भी बिगड़ जाती है। अपनी गलत आदतों के कारण भी दांत खराब हो जाते हैं। ज्यादा मीठा खाना और दांत अच्छे से साफ न करना इसके खास कारण हैं। वैसे तो साल में 1 बार दांतों के चिकित्सक के पास चैकअप जरूर करवाना चाहिए। वैसे तो एक उम्र के बाद व्यक्ति के दांत निकल जाते है । लेकिन समय से पहले इनका खराब होना और टूटना चिंता का विषय है। कुछ बातों का ध्यान रखकर इनको खराब होने से बचाया जा सकता हैं।

दांतों के खराब होने के कारण

ज्यादा बर्फ खाना

कई लोगों को बर्फ खाना पसंद होता है। वैसे तो इसे खाने से सेहत को कोई नुकसान नहीं होता लेकिन रोजाना बर्फ के टुकड़ों को खाने से दांतों को नुकसान पहुंचता है और इनमें दरारें पड़ जाती है।

दांतों से ढक्कन खोलना

दांतों से प्लास्टिक के लिफाफे और बोतलों के ढक्कन खोलने से इनमें दरारें पड़ जाती हैं और दांत कमजोर हो जाते हैं। कई बार तो ढक्कन खोलते समय दांत टूट भी जाते है । इसलिए इनको खोलने के लिए हमेशा कैंची और ऑपनर का ही इस्तेमाल करना चाहिए।

दांत रगड़ना

नींद की कमी और तनाव के कारण अक्सर लोग अपने दांतों को एक-दूसरे के साथ रगड़ते हैं। जिस वजह से दांत कमजोर हो सकते हैं। इस आदत को रोक पाना कई बार काफी मुश्किल हो जाता है। इसलिए दिन के समय दांतों से सख्त चीज चबाने से धीरे-धीरे इसे छोड़ा जा सकता है।

ज्यादा मीठा और स्टार्चयुक्त खाना

छोटे बच्चों को चॉकलेट, केक और आलू चिप्स खाने का बहुत शौक होता है। कई बड़े लोगों में भी ये आदत देखने को मिलती है। इससे दांतों में कीड़ा लग जाता है जो धीरे-धीरे दांतों को पूरी तरह खराब कर देता है।

पैन या पैंसिल चबाना

कई लोगो को काम के समय पैन या पैंसिल चबाने की आदत होती है। छोटे बच्चों को अक्सर पढ़ते समय पैंसिल चबाते देखा जाता है। ऑफिस में काम करने वाले कुछ लोग सोचते वक्त पैंसिल मुंह में डालते हैं। तनाव या परेशानी में भी लोग पैंसिल चबाते है। इस आदत को रोकने के लिए कम मीठे वाली च्युंगम को चबाना चाहिए।

गर्भधारण में समस्या बन सकता है मोटापा

ज्यादा वजन वाली महिलाओं को गर्भधारण करने में थोड़ा अधिक समय लगता है। शोध के अनुसार, अगर पति-पत्नी दोनों ही वजनी या मोटे है, तो पत्नी को गर्भधारण करने में सामान्य लोगों से 55 से 59 फीसदी ज्यादा समय लगता है। उन्हें गर्भधारण करने में भी समस्या होता है। उचित खान-पान के साथ वजन कम करने और व्यायाम से उनके गर्भधारण करने की संभावना में नाटकीय रूप से सुधार आता है।

रेसिपी

पनीर काजू मखाना

सामग्री

200 ग्रा. पनीर, 2 टेबल स्पून मखाना, 50 ग्राम काजू पेस्ट (उबालकर पीसा हुआ), 2 टी स्पून अदरक का पेस्ट, 1 टी स्पून अदरक लंबे व पतले टुकड़ों में कटा हुआ, 2 टी स्पून कटी हुई हरी धनिया, 1 टी स्पून या स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर, 50 ग्राम कटे हुए टमाटर, 1 टी स्पून काली मिर्च पाउडर, 1/2 कप ताजा क्रीम, स्वादनुसार सेंधा नमक, शुद्ध घी।

विधि

एक पैन में घी डालकर गर्म करें। फिर टमाटर, नमक, अदरक पेस्ट, मिर्च पाउडर और काली मिर्च पाउडर डालकर कुछ मिनट तक पकाएं। काजू का पेस्ट और एक कप पानी डालकर 5 मिनट तक दोबारा पकाएं। मखाने तल कर एक कप पानी में भिगो दें, फिर उन्हें ग्रेवी में मिलाकर पकाएं। पनीर डालकर ऊपर से ताजा क्रीम और हरी धनिया डालकर सर्व करें।

कश्मीरी राजमा

सामग्री

250 ग्राम राजमा, 1/2 टी स्पून सोडा, 100 ग्राम मक्खन, एक चुटकी हींग, 1/2 टी स्पून शाही जीरा, 1/2 टी स्पून सोंठ, 150 ग्राम दही, 1/2 टी स्पून गरम मसाला, स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर व नमक, 1 टी स्पून धनिया पाउडर, 1 टी स्पून वड़ी मसाला।

विधि

राजमा को पानी में सोडा मिलाकर रात भर के लिए भिगो दें। सुबह पानी निकाल कर धो लें और प्रेशर कुकर में डालकर उबाल लें। पानी से निकालकर अलग रखें, लेकिन उबले हुए राजमा का पानी फेंकें नहीं। एक पैन को आंच पर रख कर गर्म करें। मक्खन डाल कर पिघलाएं। फिर फेंटा हुआ दही डालें। अब शेष मसाले डालकर अच्छी तरह चलाते हुए मध्यम आंच पर 3-4 मिनट तक पकाएं। उबले हुए राजमा और बचा हुआ राजमा पानी में से आधा कप पानी मिलाएं। ढककर लगभग 1-2 मिनट तक पकाएं। सर्व करने से पहले मक्खन डालें और प्लेन राइस के साथ गरमागरम सर्व करें।

खाली पेट चाय पीने की है आदत तो झेलनी पड़ेगी ये परेशानियां

चाय पीना बहुत-से लोगों को पसंद होता है और कई लोग तो अपने दिन की शुरुआत ही चाय की चुस्की से करते हैं। कई लोगों के लिए यह एक नशे की तरह होती है और अगर सारा दिन उन्हें चाय न मिले तो उनका सिर दर्द होने लगता है लेकिन सुबह खाली पेट चाय पीने से शरीर को कई नुकसान होते हैं। इसमें पाया जाने वाला कैफिन शरीर को एनर्जी तो देता है लेकिन खाली पेट चाय पीना कई बीमारियों को न्यौता देती है। आइए जानिए कैसे सुबह की चाय शरीर के लिए नुकसानदेह है।

1. प्रोस्टेट कैंसर

सुबह खाली पेट चाय पीने से प्रोस्टेट कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है जो पुरूषों में पाई जाती है।

2. चिड़चिड़ापन

लोगों का मानना यह है कि सुबह के समय चाय पीने से शरीर में चुस्ती आ जाती है लेकिन यह बात गलत है। खाली पेट चाय का सेवन करने से सारा दिन थकान और स्वभाव में चिड़चिड़ापन बना रहता है।

3. एसिडिटी

दिन में एक-दो बार चाय पीना तो सही है लेकिन खाली पेट चाय पीने से पेट में गैस की समस्या हो जाती

है। ऐसे में जिन लोगों को एसिडिटी की समस्या है उन्हें सुबह की चाय पीने से परहेज करना चाहिए।

4. जी मचलाना

चाय में काफी मात्रा में टैनिन पाया जाता है। खाली पेट चाय का सेवन करने से कई बार उल्टी या जी मचलाने जैसी समस्या हो सकती है।

5. मोटापा

खाली पेट चाय पीने से इसमें घुली चीनी भी शरीर के अंदर जाती है जो वजन बढ़ाने का मुख्य कारण है।

इन आसान घरेलू उपायों से पाएं निमोनिया से निजात

निमोनिया एक बहुत ही गंभीर बीमारी है जो ज्यादातर सर्दी के मौसम में होती है लेकिन आजकल बारिश के दिनों में भी इसके रोगी देखने को मिलते हैं। बारिश में भिगने के बाद व्यक्ति को ठंड लग जाती है जिस वजह से खांसी-जुकाम और कफ की समस्या हो जाती है। धीरे-धीरे यह बढ़कर निमोनिया का रूप धारण कर लेता है। इसके अलावा यह फेफड़ों में इंफैक्शन की वजह से भी हो जाता है। अगर इसका सही समय पर इलाज न किया जाए तो इससे फेफड़ों में पानी भर जाता है और सूजन आ जाती है। ऐसे में कुछ घरेलू उपाय करके इस बीमारी से निजात पाई जा सकती है। आइए जानिए इसके लक्षण और उपचार के बारे में

लक्षण : बलगम वाली खांसी,सांस लेने में तकलीफ,बुखार,सीने में दर्द,भूख कम लगना,

घरेलू उपाय

1. हल्दी और काली मिर्च: निमोनिया बुखार होने पर छाती में रेशा जमा हो जाता है और सांस लेने में काफी तकलीफ होती है। ऐसे में हल्दी, काली मिर्च, मेथी दाना और अदरक का पानी में उबाल कर काढ़ा बना लें और रोजाना इसका सेवन करें। इससे फेफड़ों की सूजन कम होगी और बुखार में भी आराम मिलेगा।

2. तिल के बीज : इसके लिए 300 मिलीलीटर पानी में 15 तिल के बीज, 1 चुटकी नमक, 1 चम्मच अलसी और 1 चम्मच शहद मिलाकर नियमित रूप से सेवन करें। इससे छाती में जमा कफ बाहर निकल जाएगा।

3. अदरक : रोजाना अदरक के रस का सेवन करने से भी फायदा होता है। इसके अलावा आप अदरक के टुकड़े को चूस भी सकते हैं।

4. शहद : खांसी होने पर शहद चाटने से आराम मिलता है। ऐसे में निमोनिया होने पर गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीने से फायदा होता है।

5. तारपीन तेल : तारपीन के तेल में कपूर मिलाकर हल्का गुनगुना करके उससे छाती पर मालिश करें। रोजाना रात को सोने से पहले इस तेल से मालिश करनी चाहिए।

कलिंग समाचार

संपादकीय

वक्फ़ बोर्ड-मुस्लिमों की सुने सरकार!

भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार द्वारा वक्फ़ संशोधन कानून के जरिये जैसे बदलाव प्रस्तावित हैंए उनके खिलाफ़देश भर के मुस्लिमों में नाराज़गी है। इसकी बानगी सोमवार को दिल्ली के जंतर.मंतर पर दिखी। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने एक बड़ा प्रदर्शन कर सरकार को चेतावनी दी है कि यदि वक्फ़कानून संशोधन विधेयक ;2024द्ध वापस नहीं लिया गया तो इसके खिलाफ़ देशव्यापी आंदोलन होगा। बोर्ड के अतिरिक्त जमाते इस्लामी व जमीयत उलेमा.ए.हिन्द जैसे कई और संगठन शामिल हुए जो कि देश के अल्पसं यकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। पहले से ही सरकार इस बात से वाकिफ़है कि मुस्लिम संगठनों की इससे नाराज़गी है। बेहतर होगा कि सरकार इस कानून को लाने का विचार ही त्याग दे। वैसे भी जब संशोधन कानून लाया गया तभी संसद के अलावा देश भर के मुस्लिमों तथा उन तमाम नाराज़ हैं जो नागरिकों की धार्मिक आज़ादी के पक्षधर हैं। हालांकि इस प्रदर्शन को लेकर केन्द्रीय अल्पसं यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने अपनी सरकार के चिर.परिचित अंदाज में कांग्रेस तथा विपक्ष पर दोष मढ़ दिया और कहा कि वह इस कानून को लेकर देश भर में झूठ फैला रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कानून मुस्लिमों के हित में है। एक तरह से देश भर के वक्फ़ों से उनकी ज़मीनें छीन लेने की साफ मंशा सरकार की दिखाई देती है। अब तक मस्जिदों को संचालित करने एवं उनका प्रबंधन करने वाले बोर्ड के काम.काज में संशोधित कानून के जरिये सरकार की न केवल दखलंदाजी बढ़ेगी बल्कि सभी स्थानों पर देश के प्रमुख दो स प्रदायों. हिन्दुओं व मुस्लिमों के बीच दूरी भी बढ़ेगी। बोर्ड पर सरकार या स्थानीय प्रशासन का नियंत्रण होने से मस्जिदों का रखरखाव भी कठिन हो जायेगा। याद हो कि 2024 में सरकार संसद में वक्फ़ संशोधन अधिनियम लेकर आई थी जिसका दोनों सदनों में तीव्र विरोध हुआ था। विपक्ष की मांग के आगे झुकते हुए इसे संयुक्त संसदीय समिति ;जेपीसीद्ध के पास भेजा गया था लेकिन उसमें सत्तारुढ़ भाजपा का बहुमत होने के कारण इसमें वे सारे संशोधन शामिल करने की सिफारिशें की गयीं जो कि सरकार या यूं कहें कि भाजपा चाहती है। लोगों में एक आम धारणा यह फैलाई गई है कि वक्फ़के पास अकूत ज़मीनें हैं जिनके बल पर मुस्लिमों की राजनीति होती है। सच तो यह है कि वक्फ़की जमीनों एवं अन्य परिस पत्तियों से ही मस्जिदों का खर्च निकलता है। आम धारणा यह भी हैए जो कि सुनियोजित तरीके से फैलायी गयी है कि मस्जिदों में देश विरोधी तथा हिन्दू विरोधी कार्यक्रम चलाये जाते हैं। दरअसल यह भी भाजपा द्वारा ध्रुवीकरण का एक टूल है जो उसे हिन्दुओं के वोट दिलाने में मददगार साबित होता है। नये कानून के जरिये एक तरह से पूरा नियंत्रण सरकार के हाथों में चले जाने से मुस्लिमों को उनके धार्मिक कार्यक्रमों को स पन्न करने में न केवल कठिनाई आयेगी वरन दैनंदिन के कामों के लिये भी जिला प्रशासन पर निर्भर होना पड़ेगा। यह एक तरह से एक समुदाय की धार्मिक आज़ादी में हस्तक्षेप होगा। इन कारणों से यदि मुस्लिम समुदाय प्रस्तावित कानून से नाराज़ है तो वह स्वाभाविक ही है। जंतर.मंतर पर प्रदर्शन उसी नाराज़गी के कारण होने वाला प्रदर्शन कहा जा सकता है जिसमें शामिल होने के लिये आयोजकों ने न केवल जेपीसी के सदस्यों को आमंत्रित किया बल्कि भाजपा के नेतृत्व में बने नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस के सदस्यों से भी ऐसा ही आग्रह किया है। इस कानून के विरोध पर रिजिजू का कहना वैसा ही है जैसा कृषि कानून पर सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित विभिन्न मंत्री कहते आये थेए कि यह कानून किसानों के हित में है। यह समझ से परे है कि भाजपा सरकार जो भी कानून लाती है वह किसी न किसी के हित में होने का दावा करती हैए लेकिन सिर्फउन्हें पता नहीं होता जिसका हित सरकार करना चाहती है। नोटबन्दी जनता के हित में थी पर जनता की समझ में नहीं आईए जीएसटी व्यवसायियों के हित में थी पर व्यवसायियों की समझ में नहीं आई और उन्होंने विरोध किया, कृषि कानून किसानों के हित में था पर किसानों की समझ में नहीं आया और उन्होंने विरोध कियाए संविधान की अनुच्छेद 370 का विलोपन ज मू.कश्मीर के हित में था परन्तु वह वहां के नागरिकों की समझ में नहीं आया और उन्होंने विरोध किया.

एकता का स्वांग, बंटवारे की भाषा!

राजेंद्र शर्मा

कथित राष्ट्रीय शिक्षा नीति.2020 शुरू से आखिर तकए ऐसी मनमानी का ही उदाहरण है। संघ.भाजपा के विशेष एजेंडे और हिंदुत्व.कारपोरेट गठजोड़ को आगे बढ़ाने के स्पष्टड्ड उद्देश्य के साथए इस शिक्षा नीति को सूत्रबद्ध करने की कई साल लंबी कसरत सेए राज्यों को बाहर ही रखा गया थाए जो अन्य चीजों के अलावा इस कसरत का इस देश की समृद्ध विविधता से विमुख बने रहना ही सुनिश्चित करता था।

भाषा के प्रश्न पर और खासतौर पर क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दे परए दक्षिण भारत एक बार फिर गर्म हो रहा है। इसका उबाल तमिलनाडु में खासतौर पर ज्यादा हैए जहां पहले भी 1960.70 के दशकों में ंए भाषायी प्रश्न पर उग्र विरोध सामने आया था। बहरहालए कम से कम इस बार भाषा विवाद का जोर पकड़ना इस अर्थ में अनावश्यक था कि यह विवाद केवल केंद्र सरकार के इकतरफा कदमों और इकतरफा फैसलों पर प्रतिक्रिया के रूप में भड़का है। यह कोई संयोग ही नहीं है कि साठ.सत्तर के दशकों को पीछे छोड़कर देश अगर बाद के दशकों में भाषायी अशांति से बहुत दूर निकल आया थाए तो इसमें भाषायी विवाद में सामने आयी संवेदनाओं के प्रतिए बाद में आयी केंद्र सरकारों के संवेदनशीलता प्रदर्शित करने का भी हाथ था। लेकिनए मोदी राज में इस तरह की संवेदनशीलता की जगहए मराठी की संज्ञा का उपयोग करें तो केंद्र और सत्ताधारी ताकतों की ठोकशाही ने ले ली है। इसका नतीजा साठ.सत्तर के भाषायी विवाद के साए फिर से सिर पर मंडरा रहे होने के रूप में सामने है।

जैसाकि सभी जानते हैंए विवाद के वर्तमान चक्र की शुरूआत केंद्र सरकार द्वारा इकतरफा तरीके से तमिलनाडु के शिक्षा से संबंधित फंड रोके जाने के साथ हुई थी। इस सिलसिले को चलते करीब दो साल हो जाने और राज्य का इस तरह रोका गया फंड दो हजार रुपए से ऊपर निकल जाने के बादए अब तक शिष्टड्डता से इस मुद्दे को उठाती रही तमिलनाडु सरकार कोए विरोध का अपना स्वर ऊंचा करना पड़ा। लेकिनए मोदी सरकार को इस तरह के किसी विरोध की सुनवाई करना तो दूर रहाए विरोध की ऐसी आवाज को बर्दाश्त करना भी मंजूर नहीं होता है। राज्य के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा हैए कहने की रस्म.अदायगी के फौरन बादए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने फंड रोके जाने के लिए तमिलनाडु को ही यह कहकर दोषी ठहराना शुरू कर दिया कि समस्या उसके ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति.2020 को लागू न करने में है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होए फंड खुद ब खुद आ जाएंगे! कहने की जरूरत नहीं है कि यह केंद्र के हाथों से निकलने वालेए केंद्रीय कार्यक्रमों के फंड कोए राज्यों पर नीतिगत मामलों में बड़ी नंगई से केंद्र सरकार की मनमर्जी थोपे जाने का औजार बनाए जाने का ही मामला है। यह देश की संघीय व्यवस्था के खिलाफहैए जिसकी इजाजत देश का संविधान नहीं देता है। कोई भी स्वाभिमानी राज्यए केंद्र के इस तरह मनमर्जी थोपने का विरोध करेगा। और शिक्षा जैसे मामलों मेंए जो संविधान की समवर्ती सूची में आने के बावजूदए मु यतरू राज्य के अधिकार का विषय बना हुआ हैए केंद्र की ऐसी मनमानी तो हर्गिज स्वीकार नहीं की जा सकती है। लेकिनए मोदी राज में तो केंद्र के इस तरह की मनमर्जी चलाने को ही सामान्य बनाने की कोशिश की जा रही है। कथित राष्ट्रीय शिक्षा नीति.2020 शुरू से आखिर तकए ऐसी मनमानी का ही उदाहरण है। संघ.भाजपा के विशेष एजेंडे और हिंदुत्व.कारपोरेट गठजोड़ को आगे बढ़ाने के स्पष्टड्ड उद्देश्य के साथए इस शिक्षा नीति को सूत्रबद्ध करने की कई साल लंबी कसरत सेए राज्यों को बाहर ही रखा गया थाए जो अन्य चीजों के अलावा इस कसरत का इस देश की समृद्ध विविधता से विमुख बने रहना ही सुनिश्चित करता था। दूसरी ओरए संबंधित कमेटी में शुरू से ही कारपोरेट नजरिए का बोलबाला सुनिश्चित किया गया था। इस तरह सरासर गैर.प्रतिनिधि तरीके सेए संघ.कारपोरेट गठजोड़ के

बेशक, त्रिभाषा फार्मूला जिसका तमिलनाडु प्रतिरोध कर रहा है, 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति की ही खोज नहीं है। तीन भाषाओं पर आधारित फार्मूला पहले से शिक्षा नीति का हिस्सा रहा था। लेकिन एक तो उसे इस तरह अनिच्छुक राज्यों पर थोपने की कोशिश पहले नहीं की गयी थी। इसके ऊपर सेए 2020 की शिक्षा नीति में त्रिभाषा फार्मूले में भी तरह.तरह के बदलाव कर दिए गए हैं, जो इस फार्मूले के जरिए वास्तव में किसी बड़े पैमाने पर तथा सही मायने में बहुभाषिकता सुनिश्चित करने के बजायए इसे किसी न किसी प्रकार से गैर.हिंदीभाषी राज्यों पर हिंदी लादे का जाने ही फार्मूला बना देता है।

आग्रहों को आगे ले जाने का पूरा बंदोबस्त करने और छात्रोंए शिक्षकोंए अभिभावकों आदिए शिक्षा में सबसे ज्यादा हित.रखने वाले सभी तबकों की आवाजों को बाहर रखने के बादए एक दक्षिणपंथी विचारधारात्मक आग्रहों से लदा मसौदा तैयार करने के बादए रस्मअदायगी के तौर पर लोगों की राय लेने के लिए रखा जरूर गयाए लेकिन जैसाकि पहले से अनुमान लगाया जा सकता थाए विभिन्न हितधारकों की रायों को और तमाम आलोचनात्मक रायों कोए सिरे से अनसुना कर दिया गया।

इसके ऊपर सेए 1968 तथा 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों के विपरीतए इस शिक्षा नीति को सीधे केंद्र द्वारा इकतरफा तरीके से देश पर थोप दिया गया। इस नीति पर न सिर्फराज्यों की कोई राय नहीं ली गयीए राज्यों को साथ लेकर चलना तो उसकी दृष्टि में भी नहीं था। उल्टे केंद्र ने पूरे देश की ओर से नीति बनाने का अधिकार खुद ब खुद अपने को दे दिया था। इसके ऊपर सेए संसद को भी इस प्रक्रिया में कोई भूमिका नहीं दी गयी और इस तरह वृहत्तर राजनीतिक राय को इस समूची प्रक्रिया से दूर ही रखा गया। केंद्र सरकार ने ही कमेटी का गठन किया और उसी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अपनी मंजूरी सेए देश पर थोप भी दिया। हैरानी की बात नहीं है कि गैर.भाजपायी राज्यों में इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक पहलुओं को विभिन्न स्तरों पर उपेक्षाए असहयोग से लेकर प्रतिरोध तक का सामना करना पड़ रहा है। तमिलनाडु में यह विरोध सबसे बढ़करए त्रिभाषा फार्मूले के लागू किए जाने के नाम परए हिंदी के थोपे जाने के विरोध के रूप में सामने आया है। बेशकए इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा परए खासतौर पर प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर जोर दिए जाने की बात कही गयी है। लेकिनए इसके साथ ही इसमें छोटे बच्चों के बीच बहुभाषिकता को पोसने पर भी काफी जोर दिया गया हैए जिसकी शिक्षा.विज्ञानी वैज्ञानिकता पर सवाल उठ सकते हैं। बहरहालए इसमें भी विशेष रूप से समस्यापूर्ण हैए त्रिभाषा फार्मूले के नाम पर तमिलनाडु में तमिल और अंग्रेजी के अलावाए हिंदी थोपने का आग्रह। वैसे तो मोदी सरकार जब से सत्ता में आयी हैए केंद्र द्वारा हिंदी थोपे जाने की शिकायतें उठती ही रही हैं। बहरहालए त्रिभाषा फार्मूले के लागू किए जाने के केंद्र के फरमान और इस फरमान को थोपने के लिए शिक्षा के लिए राज्य के फंड तक रोकने की उसकी दादागीरी नेए चीजों का विस्फोटक बिंदु तक पहुंचा दिया है।

बेशकए त्रिभाषा फार्मूला जिसका तमिलनाडु प्रतिरोध कर रहा हैए 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति की ही खोज नहीं है। तीन भाषाओं पर आधारित फार्मूला पहले से शिक्षा नीति का हिस्सा रहा था। लेकिनए एक तो उसे इस तरह अनिच्छुक राज्यों पर थोपने की कोशिश पहले नहीं की गयी थी। इसके ऊपर सेए 2020 की शिक्षा नीति में त्रिभाषा फार्मूले में भी तरह.तरह के बदलाव कर दिए गए हैंए जो इस फार्मूले के जरिए वास्तव में किसी बड़े पैमाने पर तथा सही मायने में बहुभाषिकता सुनिश्चित करने के बजायए इसे किसी न किसी प्रकार से गैर.हिंदीभाषी राज्यों पर हिंदी लादे का जाने ही फार्मूला बना देता है। यह किसी से छुपा हुआ नहीं है कि किस तरह संस्कृत की पढ़ाई की ओट लेकरए त्रिभाषा फार्मूले में विश्वास के पाखंड के बावजूदए हिंदी भाषी क्षेत्र के अधिकांश हिस्से को अन्य कोई आधुनिक भारतीय भाषा सीखने से दूर रखा जाता रहा है।हैरानी की बात नहीं है कि पिछले ही दिनों आया एक अध्ययन यह दिखाता है कि हिंदीभाषी क्षेत्र 90 फीसदी एकल.भाषी है और सबसे कम बहुभाषिक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इस असंतुलन को और बढ़ाने ही जा रही है। नयी नीति में इसी छल को विदेशी भाषाओं की पढ़ाई का प्रावधान जोड़ने के जरिए और आगे बढ़ाया गया है। वास्तव में मातृभाषा में शिक्षा के पहलू से भी आरंभिक शिक्षा को आज बढ़ती चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। आल इंडिया स्कूल एजूकेशन सर्वे के आठवें चक्र सेए जो एनसीईआरटी द्वारा किया गया भाषायी माध्मम पर आखिरी अखिल भारतीय सर्वे हैए पता चलता है कि वास्तव में मातृभाषा में पढ़ाने वाले स्कूलों का अनुपात घटने के बजाय बढ़ ही रहा है। आठवें सर्वे के समय 86ण्62 फीसदी स्कूल मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा दे रहे थेए जबकि सातवें सर्वे के समय यही अनुपात 92ण्07 फीसदी था। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रए दोनों में यह हिस्सा घट रहा था। इससे इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति की प्राथमिकताओं का ही पता चलता है कि यह नीति तमिलनाडु से त्रिभाषा फार्मूला लागू कराने के लिए झगड़ रही हैए न कि मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा के अनुपात में गिरावट के खिलाफकोई अभियान चला रही हैए क्योंकि यह गिरावट तो शिक्षा के उस बढ़ते निजीकरण तथा व्यापारीकरण का ही नतीजा हैए जिसे यह शिक्षा नीति बड़ी नंगई से प्रमोट करती है। हैरानी की बात नहीं है कि तमिलनाडु राज्य ने भी केंद्र की मनमानी की चुनौती को स्वीकार कर लिया है। मु यमंत्री एम के स्टालिन ने कह दिया है कि केंद्र कितने ही फंड रोक लेए तमिल झुकेंगे नहीं। इस तरहए जिस हिंदी के पूरे भारत को जोड़ने वाली भाषा होने का दावा किया जाता हैए उसे केंद्र की रीति.नीति ने तोड़ने वाली भाषा बनाकर रख दिया है। देश को और ज्यादा एकजुट करने के दावे के साथए ऐसे ही तोड़ने का काम ज मू.कश्मीर से लेकर मणिपुर तक के मामले में किया गया है। एकता का झूठा मंत्रजाप करते.करतेए देश को बढ़ते विभाजन के रास्ते पर धकेला जा रहा है।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट शुरू, टैरिफ को लागू होने में समय लगेगा

के रवींद्रन

ओपेक़ को अब एक उच्च.दांव संतुलन कार्य का सामना करना पड़ रहा है. सदस्य राज्यों को अधिक राजस्व की आवश्यकता हैए लेकिन यदि आपूर्ति मांग से अधिक हो जाती हैए तो कीमतों पर और भी अधिक दबाव आ सकता है। आने वाले ह तों में व्यापक आर्थिक संकेतक बाज़ार के लिए दिशा.निर्देशक होंगे। मुद्रास्फीति के रुझानए ब्याज दर के निर्णय और वैश्विक जीडीपी वृद्धि यह निर्धारित करेगी कि मांग मजबूत होगी या कमजोर। तेल की कीमतें गिरकर अक्टूबर 2024 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गयी हैं और सभी संकेतों से लगता है कि गिरावट अभी खत्म नहीं हुई है। ब्रेंट पहले ही 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे गिर चुका है क्योंकि बाजार आपूर्ति में कमी का भार महसूस कर रहा है। ओपेक़ बैरल पहले से ही अच्छी आपूर्ति वाले सिस्टम में बाढ़ ला सकते हैंए जिससे किसी भी सार्थक मूल्य सुधार पर रोक लग सकती है। यह इस तथ्य के बावजूद है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के प्रतिबंधों और टैरिफसे प्रत्याशित आपूर्ति घाटे को अभी तक प्रशासन के उतार.चढ़ाव को देखते हुए गंभीर नहीं माना गया है। कीमतों का एशियाई उपभोक्ताओं पर पहले से ही सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सऊदी अरब ने एशिया की कीमतों में और कटौती की घोषणा की हैए क्योंकि वह उत्पादक कीमतों में गिरावट के बावजूद अपने बाजार शेयरों की रक्षा करना चाहता है। विश्लेषकों ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि ओपेक़ द्वारा बैरल की क्रमिक वापसी और अमेरिकी टैरिफ के अनिश्चित प्रभावों के कारण तेल बाजार मंदी की भावनाओं से जूझ रहा है। नीति अनिश्चितता और अधिक आपूर्ति के बीच संवेदनशील संतुलन से पता चलता है कि जब तक मांग में सुधार नहीं होता या उत्पादन में कटौती नहीं की जातीए कीमतों में सुधार के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है।

अमेरिकी टैरिफ की शुरुआतए विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप की उतार.चढ़ाव वाली टैरिफ नीतियों ने बाजार में महत्वपूर्ण अस्थिरता और निवेशक अनिश्चितता पैदा की है। अमेरिकी डॉलर कमजोर हुआए जिससे यूरो में वित्तीय संकट के बाद से सबसे बड़ी साप्ताहिक वृद्धि हुई। यूरोप मेंए शेयर बाजारों में गिरावट आईए जो जर्मनी में नरम फैक्टरी डेटा और टैरिफसंबंधी चिंताओं से बढ़ी व्यापक आर्थिक चिंताओं को दर्शाती है। वैश्विक व्यापार तनावों ने चीन को भी प्रभावित किया हैए बढ़ते व्यापार युद्ध की आशंकाओं के बीच इसके आयात में काफी गिरावट आई हैए जिससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर और असर पड़ा है।

रूस के उप प्रधानमंत्री की टिप्पणियों के बाद कीमतों में थोड़ी तेजी देखी गयीए जिसमें सुझाव दिया गया कि ओपेक़ तेल उत्पादन बढ़ाने के अपने फैसले को पलट सकता है। अप्रैल में अधिक तेल पंप करने की योजना के बावजूदए ब्रेंटक्रूड की कीमतें 71 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गयीं। अपने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को फिर से भरने के लिए 20 बिलियन डॉलर का तेल खरीदने के अमेरिकी इरादे ने भी कीमतों को बढ़ाया। अपने उत्पादन में वृद्धि के बाद उत्पादन में कटौती करने की कजाकिस्तान की प्रतिज्ञा ने बाजार की जटिलता को और बढ़ा दिया। लेकिन यह बरकरार नहीं रह सका क्योंकि संभावित तेल की अधिकता और अमेरिकी आर्थिक स्वास्थ्य और व्यापार शुल्कों के प्रभाव को लेकर चिंता बनी रही। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी विकास और चीनी मांग अनिश्चित हैं। 2025 की शुरुआत में चीन के तेल आयात में 5 प्रतिशत की गिरावट आयेगी। इसके बावजूदए एक छोटा चीनी भंडार कीमतों में महत्वपूर्ण गिरावट को रोक सकता है। ईरान के खिलाफ हाल ही में अमेरिकी नीतिगत उपायों के बावजूदए जिसमें उसके तेल निर्यात को रोकने की योजना भी शामिल हैए ओपेक़ और गैर.ओपेक उत्पादकों से आपूर्ति में वृद्धि के कारण बाजार में गिरावट का जोखिम है। ओपेक़ ने अप्रैल से प्रतिदिन 138ए000 बैरल उत्पादन वृद्धि की घोषणा कीए जिससे आपूर्ति की अधिकता की चिंता बढ़ गयी। मेक्सिको और कनडा पर अमेरिकी टैरिफ की धमकियों और ओपेक़ द्वारा अप्रैल में उत्पादन फिर से शुरू करने की योजना की पुष्टि के कारण कीमतों में गिरावट आई है। टैरिफए जो शुरू में प्रभावी होने वाले थेए अब स्थगित कर दिये गये हैंए जिससे कीमतों में थोड़ी तेजी आई हैए लेकिन कच्चे तेल पर दबाव बना हुआ है।

कनडा के जवाबी टैरिफ अभी भी लागू हैं और चीन अगले सप्ताह जवाबी टैरिफ पर कार्रवाई करेगा।बाजार आपूर्ति में कमी का भार महसूस कर रहा हैए जबकि ओपेक़ बैरल पहले से ही अच्छी आपूर्ति वाले सिस्टम में बाढ़ ला रहे हैंए जिससे किसी भी सार्थक मूल्य सुधार पर रोक लगी हुई है।

ओपेक़ मांग के स्थिर रहने पर भरोसा कर रहा हैए लेकिन इस समय और अधिक तेल आपूर्ति बढ़ाने से बाजार का संतुलन बिगड़ने का जोखिम है और बाजार के कंटेंगो ;कोमोडिटी यूचर्स का मूल्य स्पॉट मूल्य से अधिक होने की स्थितिद्ध में पलटने का जोखिम है।

टैरिफ़ की धमकियों ने बाज़ारों में हलचल मचा दीए न केवल संभावित व्यापार व्यवधानों के कारणए बल्कि ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में भी जवाबी कार्रवाई की आशंकाओं के कारण। जबकि टैरिफ़में देरी ने थोड़ी राहत की सांस दी हैए बाज़ार अभी भी नीति अनिश्चितता और अति आपूर्ति चिंताओं के बीच एक कठिन राह पर चल रहा है।

ओपेक़ को अब एक उच्च.दांव संतुलन कार्य का सामना करना पड़ रहा है. सदस्य राज्यों को अधिक राजस्व की आवश्यकता हैए लेकिन यदि आपूर्ति मांग से अधिक हो जाती हैए तो कीमतों पर और भी अधिक दबाव आ सकता है। आने वाले ह तों में व्यापक आर्थिक संकेतक बाज़ार के लिए दिशा.निर्देशक होंगे। मुद्रास्फीति के रुझानए ब्याज दर के निर्णय और वैश्विक जीडीपी वृद्धि यह निर्धारित करेगी कि मांग मजबूत होगी या कमजोर। अभी के लिएए कच्चे तेल की स्थिति नाजुक बनी हुई हैए और जब तक मांग में वृद्धि नहीं होती या ओपेक़ द्वारा उत्पादन पर लगाम नहीं लगायी जातीए कीमतों को ठोस आधार पाने में संघर्ष करना पड़ सकता है।

विविध समाचार

बेअदबी और बहबल कलां मामले में साढ़े चार वर्षों में न्याय दिलाने में विफल रही आप सरकार : विजय सांपला

चंडीगढ़। बहबल कलां गोलीकांड मामले में चंडीगढ़ स्थित विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष पेश होने के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी पंजाब के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजय सांपला ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर इस संवेदनशील मामले का राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप लगाया। सांपला ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने सत्ता में आने से पहले बहबल कलां गोलीकांड में न्याय दिलाने का बड़ा वादा किया था, लेकिन साढ़े चार वर्ष बीत जाने के बावजूद सरकार न्याय दिलाने में पूरी तरह विफल रही है। अब जब चुनाव नजदीक हैं तो सरकार सिख समाज की भावनाओं से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे को फिर से उछालकर अपनी नाकामियों से जनता का ध्यान हटाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का शुरू से स्पष्ट और अटल रुख रहा है कि बहबल कलां मामले में जो भी दोषी हो, उसकी निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच हो तथा दोषियों को कानून के अनुसार कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। सांपला ने बताया कि उन्हें एसआईटी द्वारा चौथी बार समन भेजा गया है। इससे पहले भी वे जालंधर में एसआईटी के समक्ष उपस्थित हुए थे और उस समय भी उन्होंने आग्रह किया था कि जिन दस्तावेजों के आधार पर उनसे जवाब मांगा जा रहा है, उनकी प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराई जाए ताकि वे तथ्यों के आधार पर अपना पक्ष रख सकें। उन्होंने कहा कि बिना संबंधित दस्तावेजों का अध्ययन किए कोई भी टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। आज की पेशी के दौरान भी उन्हें केवल 12 जनवरी 2018 को तत्कालीन राज्यपाल को सौंपे गए एक ज्ञापन की प्रति दिखाई गई, लेकिन उसकी प्रमाणित प्रति उपलब्ध नहीं कराई गई। सांपला ने कहा कि आज के दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल तकनीक के कारण किसी भी दस्तावेज की प्रमाणिकता अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए उन्होंने केवल प्रमाणित प्रति की मांग की थी, लेकिन एसआईटी ने वह भी उपलब्ध नहीं कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार समन भेजने का उद्देश्य जांच को लंबा खींचना और चुनाव तक इस मुद्दे को राजनीतिक रूप से जीवित रखना है। सांपला ने कहा कि हाल के धार्मिक घटनाक्रमों, विशेषकर श्री अकाल तख्त साहिब से जुड़े मामलों में सरकार की हुई किरकिरी से जनता का ध्यान हटाने के लिए भी इस मुद्दे को दोबारा उछाला जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बहबल कलां मामले से न तो उनका और न ही भारतीय जनता पार्टी का कोई प्रत्यक्ष संबंध रहा है। उस समय भले ही अकाली-भाजपा गठबंधन की सरकार थी, लेकिन किसी भी भाजपा नेता की इस घटना में कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। सांपला ने कहा कि आज पंजाब नशे, बिगड़ती कानून-व्यवस्था, बढ़ती फिरौती की घटनाओं, गोलीबारी, सरकारी कर्मचारियों के लंबित महंगाई भत्ते (डीए) और प्रशासनिक विफलताओं जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे समय में सरकार इन मुद्दों का समाधान करने के बजाय जनता का ध्यान भटकाने के लिए राजनीतिक नाटक कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एसआईटी की जांच में पूरा सहयोग देगी। "हमने एसआईटी को स्पष्ट कर दिया है कि जब भी वे हमें बुलाएंगे, हम उपस्थित होंगे और हर प्रकार का सहयोग देंगे। लेकिन जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और राजनीतिक प्रतिशोध से मुक्त होनी चाहिए। हमें केवल संबंधित दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं ताकि हम तथ्यों और कानून के आधार पर अपना जवाब दे सकें," सांपला ने कहा। अंत में उन्होंने कहा कि यदि जांच पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता से नहीं की जाती और बिना दस्तावेज उपलब्ध कराए केवल बार-बार समन भेजकर पूछताछ की जाती रही, तो यह न्याय की प्रक्रिया नहीं बल्कि राजनीतिक प्रतिशोध और समय की बर्बादी ही मानी जाएगी।

पंजाब में आईएसआई समर्थित तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश : अमृतसर में 3 आरोपी गिरफ्तार, 6 हैंड ग्रेनेड और 12 अवैध पिस्तौल बरामद

अमृतसर। पंजाब पुलिस ने आतंकवाद और अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संगठित हथियार एवं विस्फोटक तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। काउंटर इंटेलिजेंस, अमृतसर की टीम ने अभियान चलाकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 6 हैंड ग्रेनेड और 12 अवैध पिस्तौल बरामद की गई हैं। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि गिरफ्तार आरोपी एक विदेशी तस्कर के निर्देशों पर काम कर रहे थे, जिसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई तथा प्रतिबंधित आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के विदेश में सक्रिय ऑपरेटिव्स का समर्थन प्राप्त था। पुलिस के अनुसार, आरोपियों तक हथियारों और विस्फोटकों की यह खेप पंजाब में आतंक और अशांति फैलाने, कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने तथा सार्वजनिक शांति भंग करने के उद्देश्य से पहुंचाई गई थी। सुरक्षा एजेंसियां इस बात की भी जांच कर रही हैं कि इन हथियारों का इस्तेमाल किन संभावित आतंकी गतिविधियों में किया जाना था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अमृतसर स्थित स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) थाने में आर्म्स एक्ट, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की गहन जांच में जुटी है। जांच एजेंसियां मॉड्यूल के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक खंगाल रही हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि हथियारों की खेप कहां से आई, इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं और इन्हें आगे किन व्यक्तियों तक पहुंचाया जाना था। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर जल्द ही इस पूरे मामले का विस्तृत खुलासा कर सकते हैं। पंजाब पुलिस का कहना है कि राज्य में आतंकवाद और हथियारों की तस्करी के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

नगर निगम के खजाने को रगड़ा लगाने वालों पर मेयर वनीत धीर की सर्जिकल स्ट्राइक, कई कालोनाइजरों के खिलाफ एफआईआर की सिफारिश

जालंधर। मेयर वनीत धीर ने जब से नगर निगम की कमान संभाली है वे पहले दिन से रेवेन्यु वसूली पर ध्यान दे रहे हैं ताकि निगम की आय बढ़े। इसी कड़ी में वे सख्त फैसले ले रहे हैं। फैसलों में अलग-अलग सेक्टरों क्षेत्रों में ध्यान दिया जा रहा है खासतौर पर बकाया वसूली पर। निगम की जालंधर के कई कालोनाइजरों से रेगुलराइजेशन फीस बकाया है और इस बकाया वसूली के लिए बाकायदा सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की गई। लेकिन जिन कालोनाइजरों ने बकाया वसूली में रुचि नहीं दिखाई उन पर मेयर वनीत धीर ने सख्ती बरतते हुए एफआईआर की सिफारिश की है। इस संबंध में पुलिस कमिश्नर को पत्र भेजा गया है। इसके साथ ही सब रजिस्ट्रार जालंधर 1 और सब रजिस्ट्रार जालंधर 2 को लिखित रूप से सूचित किया गया है कि इन कालोनियों के प्लाटों और मकानों की रजिस्ट्रियों पर रोक लगाई जाए। पुलिस कमिश्नर को लिखे पत्र में साफ तौर पर लिखा गया है कि नगर निगम जालंधर की सीमा के अंदर सरकार की रेगुलराइजेशन पालिसी साल 2013 और 2018 के तहत काटी गईं विभिन्न अवैध कालोनियों की रेगुलराइजेशन फीस का थोड़ा हिस्सा तो जमा करवा दिया गया लेकिन कालोनाइजरों ने बकाया राशि, दस्तावेज और ब्याज जमा नहीं करवाया गया। इसलिए कई बार लिखित रूप से सूचीबद्ध रूप से इन कालोनाइजयों को सूचित किया गया पर कालोनाइजरों ने बकाया जमा नहीं करवाया। इसलिए पुलिस कमिश्नर जालंधर को आग्रह है कि विभिन्न एसएचओ के माध्यम से इन कालोनाइजरों के खिलाफ बीएनएस और पैपरा एक्ट की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की जाए ताकि ये कालोनाइजर निगम के खजाने में बकाया जमा करवाएं। इसके अलावा सूची के तहत इन कालोनियों के प्लाटों व मकानों की रजिस्ट्रियों की रोक भी लगाने का आग्रह किया जाता है।

हथियारों के बल पर घर में घुसकर लूट, नकदी व तीन तोले सोना लेकर फरार, पांच आरोपियों पर केस

बरनाला। बरनाला में हथियारों के बल पर घर में घुसकर लूटपाट की घटना सामने आने से इलाके में दहशत का माहौल है। मोगा बाईपास-बठिंडा रोड स्थित एक मकान में पहुंचे पांच आरोपियों ने कथित तौर पर हथियार दिखाकर मकान मालिक को धमकाया और उससे नकदी व सोने के गहने लूटकर फरार हो गए। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में साहोके रोड निवासी जगसीर सिंह ने बताया कि वह अपने मोगा बाईपास-बठिंडा रोड स्थित मकान में मौजूद था। इसी दौरान धर्मप्रीत सिंह, हरजिंदर सिंह, सुख सिंह, सुखविंदर सिंह निवासी धौला तथा एक अज्ञात व्यक्ति कार में सवार होकर वहां पहुंचे। शिकायतकर्ता के अनुसार सभी आरोपी हथियारों से लैस थे और घर में घुसते ही उसे धमकाने लगे। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने हथियारों के बल पर उससे 18 हजार रुपये की नकदी और करीब तीन तोले सोने के गहने लूट लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी कार में सवार होकर मौके से फरार हो गए। घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। साथ ही, इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान और उनके फरार होने के रास्ते का पता लगाया जा सके। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिकायतकर्ता के बयान के आधार पर पांचों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और तकनीकी साक्ष्यों की भी मदद ली जा रही है।

आज का राशिफल

मेष राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। किसी प्रतियोगी परीक्षा का रिजल्ट आपके पक्ष में आएगा। आज आर्ट और मीडिया से जुड़े लोगों को नौकरी के नये अवसर मिलने के योग हैं कारोबार आपको बढ़िया सफलता मिलेगी। आज एक नया प्रोजेज्ट आपको दिया जाएगा आप उसे बेहतरीन तरीके से पूरा करेंगे जो आगे चलकर आपके लिए लाभदायक साबित होगा। फलों का बिजनेस करने वाले लोगों की इनकम आज बढ़ेगी। आज आपका पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए लकी रहेगा। आप अपने बिजनेस में नई शुरूआत करेंगे। आभूषणों के कारोबार मे आज आपको दोगुनी सफलता मिलेगी। आज समाज में आपका प्रभाव बढ़ेगा इस दौरान आप नये लोगों से मिलेंगे साथ ही कुछ नया सीखने को मिलेगा। खासतौर पर महिलाओं के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा।आज आत्मविश्वास बनाए रखें और अपने कामों को प्राथमिकता दें इस दौरान आप ओवर कॉन्फिडेन्स से बचें।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। कारोबार में बदलाव को लेकर लिए गए फैसले आज सही साबित होंगे। आज मार्केटिंग से जुड़े कामों पर ज्यादा ध्यान दें। आज किसी बड़े अधिकारी या राजनेता से मुलाकात भविष्य में फायदेमंद साबित हो सकती है। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा आपसी तालमेल देखकर आपको खुशी होगी। आज आपकी प्रोफेशनल लाइफ शानदार रहेगी। आज किए गए प्रयासों में दोगुना लाभ होगा। आप आर्थिक तौर पर खुद को मजबूत पायेंगे और जो लोग चिकित्सा से जुड़ें हैं, उन्हें नई आज उपलज़्धियां मिलेंगी। आज आप लवमेट के साथ किसी मनपसंद जगह पर जाने का प्लान बनाएंगे इस दौरान आपके कुछ खर्चे भी होंगे।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आज आप अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए नये फैसले लेंगे। आज ऑफिस में आपकी योग्यता और कार्यक्षमता की सराहना होगी। बच्चों की शिक्षा या करियर से जुड़ा काम आज बन सकता है। आज आय और खर्च में संतुलन बना रहेगा आपकी आर्थिक स्थिति में स्टेबिल्टी रहेगी। आज बिजनेस ट्रिप पर जाने के असार बन रहे है जहां आपको सुखद अनुभव के साथ मानसिक सुकून मिलेगा। होटल और रेस्टोरेंट का काम करने वालों को आज अच्छा मुनाफा होगा।

सिंह राशि- सिंह राशि वालों का आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आपको आपके करियर के क्षेत्र में अपार संभावनाएं मिलेंगी आपका सरकारी काम पूरा जाएगा। उच्च अधिकारियों के सहयोग से आज आपको नौकरी में लाभ होगा। पिछले कुछ दिनों से चल रही भागदौड़ से आज राहत मिलेगी जिससे आप अपने व्यक्तिगत कार्यों पर ध्यान दे पाएंगे। किसी अनुभवी और धार्मिक व्यक्ति से मुलाकात आज आपकी सोच में सकारात्मक बदलाव लाएगी और आपको नई दिशा मिलेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा साथ ही आपकी लाइफस्टाइल में बदलाव देखने को मिलेगा।

कन्या राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। व्यापार जगत से जुड़े कार्यों में आज आपको सफलता मिलेगी। परीक्षा में पूर्ण अध्ययन से छात्र कामयाबी पा सकेंगे। महिलाएं आज व्यर्थ की बातों में अपना समय नष्ट न करें। आज विद्यार्थियों को अपनी टीचर के मार्गदर्शन का पूरी तरह पालन करना चाहिए। जीवनसाथी से आज आपकी अच्छी आपसी समझ बनेगी आप आनंदित महसूस करेंगे। आज प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत है खासकर कागजी कार्यवाही ध्यान से करें।

तुला राशि- आज का दिन नए अनुभव लेकर रहेगा। आज परिवार में आज मांगलिक कार्यक्रम करवाएंगे घर का माहौल खुशहाल रहेगा। इंपोर्ट-एज़्सपोर्ट के बिजनेस से जुड़े लोगों को किसी खास संपर्क से आज लाभ होगा। आज छात्रों को उनके फेवरिट कालेज में दाखिल मिल जाएगा। आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आज नई नौकरी ज्वॉइन करने से पहले अच्छी तरह सोच-समझ लें और जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें। आज ऑफिस में आपको किसी बड़े प्रोजेज़्ट पर काम करने को मिलेगा। आपकी आर्थिक स्थिति बढ़िया रहेगी। आज आप पारिवारिक परंपरा और संस्कार बनाए रखने के लिए आप अच्छे प्रयास करेंगे। आज खुद को ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरपूर महसूस करेंगे।

वृश्चिक राशि- आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। अगर आज आप किसी बिजनेस में धन निवेश करेंगे तो आने वाले समय में लाभ अवश्य मिलेगा। आज आप व्यापार बढ़ाने के लिए आज कुछ नयी योजनाओं पर काम कर सकते है। आपका रुका हुआ पैसा आज वापस आ सकता है। आज आप समाज कल्याण के कार्यों में योगदान देंगे जरूरतमंद बच्चों को उनके जरूरत की चीजें बाटेंगे। इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन अच्छा है आपकी संतान का भाग्योदय होगा।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। अगर आप किसी खास काम के लिए प्रयासरत हैं, तो उसमें उचित सफलता मिल सकती है। आज आपका वैवाहिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा आप एक दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करेंगे। आज आप अपने बच्चों से संस्कार और संस्कृति से जुड़ी जानकारी साझा करें बच्चे काफी मोटीवेट होंगे। आज कामकाज से जुड़ी छोटी यात्रा आपके लिए फायदेमंद रहेगी साथ ही कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन बढ़िया रहेगा। आज आपको आपके सीनियर्स का सपोर्ट मिलेगा। आज आपको अपनी मनपसंद जगह घूमने का मौका मिलेगा जहां आप बहुत कुछ नया सीखेंगे। आज आपकी जॉब में सैलरी बढ़ने के योग हैं और आपको किसी बड़े प्रोजेज़्ट से जुड़ने का मौका मिलेगा। आज परिवारवालों की सेहत का खास ज़्याल रखें।

मकर राशि- आपके लिए आज का दिन मिला-जुला रहने। आज आपको परिवार का सहयोग मिलेगा। आज वैवाहिक जीवन में परेशानियां खत्म होंगी। कार्यस्थल पर अपने विरोधियों से सतर्क रहें आज आप अपने बड़ बोलेपन से बचें इस दौरान किसी तरह की लापरवाही भारी पड़ सकती है। आज व्यापार में धन लाभ के योग हैं लेनदेन करते समय खास ध्यान रखें। आज आप अपना कुछ समय परिवार और दोस्तों के साथ गुजारें या मनोरंजन के लिए भी निकालें, अच्छा महसूस करेंगे। काफी समय से रुका हुआ काम आज पूरा होने की उज़्मीद है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। सेहत अच्छी होगी।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहेगा साथ ही छात्रों के लिए बेहतर परिणाम लेकर आएगा। आज आपको कार्यस्थल पर अपने सीनियर्स का सहयोग मिलेगा। आज आप अपनी एक नयी पहचान बनाने में सफल रहेंगे अपनी कड़ी मेहनत से विरोधियों को चुनौती दे पाएंगे। आज आपका मन नए कार्यों में लगेगा और आप अपना बेस्ट देने का प्रयास करेंगे। नौकरी में उज़्मीद से ज्यादा लाभ मिलेगा। आज रियल एस्टेट से जुड़े कारोबारियों को अच्छा प्रोजेज़्ट मिल सकता है इस दौरान आप आलस्य को अपने ऊपर हावी ना होने दें, साथ ही वाणी में मधुरता लाएं। पारिवारिक सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बढ़ेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर आप डॉज़्टर से सलाह लेंगे।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। सोची हुई योजनाएं सफल होती दिखेंगी। आप खुद को भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस करेंगे। आज आप अपना नया बिजनेस स्टार्ट करने की योजना बनाएंगे। आज पार्टनरशिप में किए गए व्यवसाय में आर्थिक फायदा मिलेगा इस दौरान आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आपके निजी रिश्तों में सुधार आएगा। घर परिवार में छोटी मोटी नोक झोंक हो सकती है। आज घर में किसी मांगलिक कार्यक्रम का समापन हो जाएगा। आज आप अपनी सेहत के प्रति थोड़ा सजग रहें। आज बेवजह गुस्सा करने से बचें। आज मानसिक शांति के लिए योग करें।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार

राउरकेला, सोमवार 21 सितंबर 2026

खोरधा के स्कूल में स्टाफ की कमी, खराब टॉयलेट से छात्र परेशान

खोरधा २०/०९ (संवाददाता): गुरुजंग के सरकारी हाई स्कूल में खराब साफ-सफाई और बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण छात्र बहुत मुश्किलों का सामना कर रहे हैं, जबकि राज्य सरकार शिक्षा के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए कई योजनाओं के तहत करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। 1969 में स्थापित इस स्कूल में शिशु वाटिका से लेकर 10वीं कक्षा तक 724 छात्र हैं। इनमें से आठ शिशु वाटिका में, 215 प्राइमरी कक्षाओं (पहली से पांचवीं) में, 244 अपर प्राइमरी कक्षाओं (छठी से आठवीं) में और 257 सेकेंडरी कक्षाओं (नौवीं और दसवीं) में हैं। छात्रों ने बताया कि लड़कों के लिए बना शौचालय खराब हालत में है, जिससे उन्हें खुले में या स्कूल के खेल के मैदान में ही शौच के लिए जाना पड़ता है। कुछ छात्रों ने कहा कि बाहर शौच जाने के डर से वे मिड-डे मील ठीक से नहीं खाते हैं। लड़कियों के लिए एक शौचालय है, लेकिन पानी की कमी एक आम समस्या है। कुछ छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया कि शौचालयों की सफाई पर ठीक से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। स्कूल में पीने के पानी के लिए दो वॉटर प्यूरीफायर हैं। हालांकि, स्कूल की इमारत की दीवारों में दरारें आ गई हैं, और खिड़कियां खरपतवार और बेलों से ढकी हुई हैं। कई खिड़कियां भी टूट-फूट गई हैं। बाउंड्री वॉल के आसपास बहुत ज़्यादा झाड़-झंखाड़ उगने से ऐसा लगता है जैसे कोई कृत्रिम जंगल हो, जिससे जंगली जानवरों और रेंगने वाले जीवों के होने की चिंता बढ़ गई है। स्कूल में शिक्षकों और ज़्लास IV कर्मचारियों की भी कमी है।

छात्रों की संज़्या के हिसाब से स्कूल को तीन ज़्लास ४ कर्मचारियों की ज़रूरत है, लेकिन सिर्फ़ एक ही उपलज़्ध है। जब कर्मचारी छुट्टी पर होता है, तो शिक्षकों को स्कूल की घंटी बजाने जैसे काम करने पड़ते हैं। प्राइमरी और सेकेंडरी लेवल पर शिक्षकों के दो-दो पद खाली हैं। सूत्रों के मुताबिक, ज़्लासरूम की कमी के कारण लगभग 70 से 80 छात्रों को एक ही ज़्लासरूम में बैठना पड़ता है। स्कूल मैनेजमेंट कमेटी ने अधिकारियों से और ज़्लासरूम उपलज़्ध कराने की मांग की है ताकि पढ़ाई-लिखाई का माहौल बेहतर हो सके। नाम न बताने की शर्त पर एक अभिभावक ने कहा कि स्कूल में अच्छी शिक्षा के लिए ज़रूरी शैक्षणिक माहौल की कमी है।

अभिभावक ने आरोप लगाया, स्कूल में शिशु वाटिका से लेकर 10वीं कक्षा तक के लगभग 800 छात्र पढ़ते हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा और सेहत पर ठीक से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। हेडमास्टर विभूति भूषण जेना ने बताया कि ट्रांसफर के बाद उन्होंने कुछ महीने पहले ही स्कूल जॉइन किया है। उन्होंने कहा, स्कूल प्रशासन पढ़ाई-लिखाई का माहौल बेहतर बनाने, अच्छी शिक्षा देने और साफ़-सफ़ाई बनाए रखने पर ध्यान दे रहा है। छात्रों की सेहत हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूल में साफ़-सफ़ाई और टॉयलेट से जुड़ी समस्याओं को दूर करने की कोशिशें चल रही हैं। स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के प्रेसिडेंट गौतम पट्टाजोशी ने बताया कि उन्होंने कुछ दिन पहले ही पद संभाला है और स्कूल का माहौल बेहतर बनाने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। पहले चरण में, कमेटी ने स्कूल परिसर में उगी फालतू झाड़ियों और घास-फूस को साफ़ करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि इसके बाद छात्रों को हो रही साफ़-सफ़ाई और टॉयलेट की समस्याओं को हल करने पर ध्यान दिया जाएगा। पट्टाजोशी ने बताया कि साफ़-सफ़ाई से जुड़ी समस्याओं को हल करने में मदद के लिए खुर्दा ज़्युनिसिपैलिटी को एक चिट्ठी भेजी जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि स्कूल में और ज़्लासरूम की भी ज़रूरत है और इस मामले को ज़िला प्रशासन और ज़िला शिक्षा विभाग के ध्यान में लाया जाएगा। खुर्दा के कलेज़्टर अमृत ऋ्रुराज ने कहा कि उन्होंने ष्ठश्वह्र को सलाह दी है कि वे ज़िले के सभी सरकारी स्कूलों में छात्रों के लिए साफ़ और इस्तेमाल लायक टॉयलेट की सुविधा पक्की करने के लिए ज़रूरी कदम उठाएं।

सेल के राउरकेला इस्पात संयंत्र में स्वच्छता पखवाड़े का हुआ शुभारंभ

राउरकेला २०/०९ (संवाददाता): राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) में स्वच्छता पखवाड़ा 2026 की शुरुआत हुई। इस दो हज़्ते तक चलने वाले कार्यक्रम के तहत पूरे संयंत्र में कई आयोजन किए जा रहे हैं, जो 2 अज़्टूबर, 2026 तक चलेंगे। राउरकेला इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी, श्री आलोक वर्मा ने 18 सितंबर, 2026 को मंथन सज़्मेलन कक्ष में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह का नेतृत्व किया। कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) सज़्मेलन कक्ष में आयोजित एक ऐसे ही कार्यक्रम में, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स), श्री विश्व रंजन पलाई ने वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में स्वच्छता की शपथ दिलाई।समाधान सज़्मेलन कक्ष में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में, मुज़्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एवं कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन), का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे श्री मानस रंजन रथ ने स्वच्छता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मानव संसाधन विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सज़्मेलन कक्ष में भी शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जहाँ सामग्री प्रबंधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ ली। संयंत्र की विभिन्न इकाइयों में भी शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए गए, जहाँ मुज़्य महाप्रबंधक और विभागाध्यक्षों ने कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई।

आरएसपी के कर्मचारियों में जागरूकता पैदा करने के लिए, आरएसपी में विश्वकर्मा पूजा के कई स्थलों पर स्वच्छता पखवाड़ा के बैनर भी लगाए गए थे ।

विधानसभा सचिव सत्यब्रत राउत ने गृह विभाग से आग्रह किया

भुवनेश्वर २०/०९ (संवाददाता): विधानसभा सचिव सत्यब्रत राउत ने गृह विभाग से तेलकोई के विधायक और बीजेपी नेता फकीर मोहन नाइक की जान को कथित खतरों की जांच करने का अनुरोध किया है। गृह विभाग के अतिरिक्त मुज़्य सचिव को लिखे एक पत्र में, राउत ने कहा कि नाइक ने स्पीकर सुरमा पाधी को एक याचिका सौंपी थी, जिसमें उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति का हवाला दिया था। स्पीकर को दी गई याचिका में, नाइक ने आरोप लगाया कि उनकी जान और सुरक्षा के साथ-साथ उनकी पार्टी के सहयोगियों और साथियों की सुरक्षा को भी खतरा है। उन्होंने स्पीकर से आग्रह किया था कि वे संबंधित अधिकारियों को उन पर और उनके सहयोगियों पर हुए हमलों की गहन जांच करने और दोषियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दें, साथ ही उन्हें पर्याप्त सुरक्षा भी प्रदान करें।उन्होंने हरिचंदनपुर और तेलकोई ज़्लॉकों में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक एहतियाती उपाय करने की भी मांग की है। विधानसभा सचिव के गृह विभाग को लिखे पत्र में कहा गया है, विधायक द्वारा उठाए गए सुरक्षा संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, इस मामले की प्राथमिकता के आधार पर जांच की जानी चाहिए और जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

आर.एस.पी. में सुरक्षा निगरानी को सुदृढ़ करने के लिए इन-हाउस विकसित एआई-आधारित घुसपैठ पहचान प्रणाली प्रहरी एआई तैनात

राउरकेला २०/०९ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर.एस.पी.) के डिजिटलीकरण विभाग ने कार्यस्थल पर सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उपयोग की दिशा में निरंतर प्रयासों के तहत, सफलतापूर्वक 'प्रहरीएआई - डिजिटल फेंसिंग के साथ घुसपैठ पहचान' नामक AI-आधारित वीडियो एनालिटिज़्स समाधान विकसित एवं तैनात किया है। इस समाधान की संकल्पना, विकास एवं कार्यान्वयन डिजिटलीकरण विभाग द्वारा इन-हाउस किया गया है। इस पहल का मार्गदर्शन मुज़्य महा प्रबंधक (एन.पी.एम. एवं डिजिटली करण), श्री आर.के.मुदुली तथा महा प्रबंधक प्रभारी (सी.एंड आई.टी.), श्रीमती सुमिता भट्टाचार्य ने किया। प्रहरी AI, AI-सक्षम वीडियो एनालिटिज़्स तकनीक का उपयोग करते हुए, मौजूदा CCTV कैमरों अथवा स्थल की परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यकता पड़ने पर स्थापित किए गए नए कैमरों के माध्यम से चिन्हित सुरक्षा एवं प्रतिबंधित क्षेत्रों की निरंतर निगरानी करता है। चिन्हित महत्वपूर्ण क्षेत्रों के चारों ओर डिजिटल फेंसिंग तैयार की गई है। प्रणाली इन क्षेत्रों में अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश का वास्तविक समय में स्वत÷ पता लगाती है, जिससे समय पर आवश्यक सुरक्षा हस्तक्षेप सुनिश्चित किया जा सकता है। इस प्रणाली को न्यू प्लेट मिल (एन.पी.एम.) के दो क्षेत्रों, अर्थात डिवाइडिंग शीयर एरिया और डी.एस.टी.एस. एरिया, तथा ज़्लास्ट फर्नेस-5 के यू-सील एरिया में सफलतापूर्वक तैनात किया गया है। कार्यान्वयन के तहत संबंधित स्थलों पर ऑडियो बजर भी स्थापित किया गया है, जो डिजिटल रूप से फेंस किए गए क्षेत्र में किसी घुसपैठ का पता चलने पर तत्काल श्रव्य चेतावनी प्रदान करता है।

प्रहरी एआई का सफल विकास एवं कार्यान्वयन आर.एस.पी. की विशिष्ट परिचालन एवं सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप,ढ्ढ-आधारित समाधान विकसित करने में डिजिटलीकरण विभाग की क्षमता को प्रदर्शित करता है। यह पहल ष्टष्टञ्जङ्क संरचना के साथ,ढ्ढ-आधारित वीडियो एनालिटिज़्स के प्रभावी उपयोग को भी रेखांकित करती है, जिसके माध्यम से सुरक्षा निगरानी के लिए एक सक्रिय एवं पूर्व-सतर्कता आधारित तंत्र स्थापित किया गया है। इस समाधान को संयंत्र के अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी आगे विस्तारित किए जाने की संभावनाएं हैं। इससे सुरक्षित एवं स्मार्ट परिचालन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों और,ढ्ढ का अधिक प्रभावी उपयोग करने के आर.एस.पी. के दृष्टिकोण को और बल मिलेगा।

ओडिशा के बुजुर्गों की देखभाल का कार्यक्रम नीति आयोग की योजना में शामिल

भुवनेश्वर २०/०९ (संवाददाता): देश में बुजुर्गों की आबादी तेज़ी से बढ़ रही है और उनकी देखभाल करने वालों (केयरगिवर) की मांग और सप्लाई में बड़ा अंतर है। ऐसे में, ओडिशा का बुजुर्गों की देखभाल करने वालों के लिए तीन महीने का सर्टिफ़िकेट प्रोग्राम राज्य-स्तर की उन पहलों में से एक के तौर पर उभरा है, जिन्हें नीति आयोग ने भारत में एक प्रोफेशनल इकोसिस्टम विकसित करने पर अपनी हालिया रिपोर्ट में खास तौर पर बताया है। प्रवासी नेटवर्क जुड़ें %रीइमैजिनिंग केयर÷स्ट्रैटेजीज़ फॉर एज़्पावरिंग केयरगिवर्स इन विकसित भारत 047 (देखभाल की नई सोच÷ विकसित भारत ञ्च2047 में देखभाल करने वालों को सशक्त बनाने की रणनीतियां) नाम की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि जुलाई 2022 में भारत में बुजुर्गों की आबादी लगभग 149 मिलियन थी, जो कुल आबादी का 10.5 प्रतिशत है। अनुमान है कि 2031 तक यह संज़्या बढ़कर 194 मिलियन और 2050 तक 347 मिलियन (यानी आबादी का 20.8 प्रतिशत) हो जाएगी। ओडिशा अभी तीन महीने का ट्रेनिंग प्रोग्राम चला रहा है, जिसका मकसद बुजुर्गों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सहायता देने के लिए देखभाल करने वालों को तैयार करना है। इस कोर्स में रोज़मर्रा के काम, डिमेंशिया की देखभाल, काउंसलिंग, फिजियोथेरेपी, प्राथमिक चिकित्सा और बेड सोर (लंबे समय तक बिस्तर पर रहने से होने वाले घाव) का प्रबंधन जैसी बुजुर्गों की देखभाल से जुड़ी कई बातें शामिल हैं।

नंदनकानन में बेबी ओरंगुटान को बुखार, इलाज जारी

भुवनेश्वर २०/०९ (संवाददाता): भुवनेश्वर के नंदनकानन ज़ूलॉजिकल पार्क में 8 सितंबर से क्वारंटीन किए गए पांच ओरंगुटान बच्चों में से एक को बुखार हो गया है। इससे अधिकारी इन जानवरों की सेहत को लेकर सतर्क हो गए हैं, ज़्योंकि ये जानवर भारत के मूल निवासी नहीं हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बच्चों में से एक का शरीर का तापमान रविवार से ज़्यादा बना हुआ है और इसे कंट्रोल करने के लिए दवाएं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि चिड़ियाघर के पशु चिकित्सक जानवर की हालत पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं और चौबीसों घंटे देखभाल कर रहे हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने PTI को बताया, एक ओरंगुटान को यहां लाए जाने वाले दिन से ही बुखार है। दवा देने पर बुखार कम हो जाता है, लेकिन फिर वापस आ जाता है। लेकिन अब वह स्थिर है और कड़ी मेडिकल निगरानी में है। अधिकारियों ने बताया कि बाकी चार ओरंगुटान स्वस्थ हैं और सामान्य रूप से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि 58 नए जानवरों के आने के बाद चिड़ियाघर में क्वारंटीन बाड़े में थोड़ी भीड़ हो गई है। हालांकि, ओरंगुटान के लिए अलग इंतज़ाम किए गए हैं। अधिकारी ने कहा, हमने ओरंगुटान के लिए अलग इंतज़ाम किए हैं, और बताया कि उनके तापमान-नियंत्रित कमरे में मच्छरदानी लगाई गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि बुखार तनाव, थकान या माहौल में अचानक बदलाव के कारण हो सकता है।

पशु चिकित्सा अधिकारी ने कहा, बच्चों को मौजूदा माहौल में ढलने में कुछ समय लगेगा। ओरंगुटान आम तौर पर वर्षावन के माहौल में रहते हैं। ओडिशा यूनिवर्सिटी ऑफ़ एग्रीकल्चर एंड टेज़्नोलॉजी के सेंटर फ़ॉर वाइल्डलाइफ़ हेल्थ के प्रमुख आदित्य आचार्य के अनुसार, ओरंगुटान में शरीर के उच्च तापमान की निगरानी इंसानों की तरह ही की जाती है। आचार्य ने कहा, आम तौर पर, शरीर का तापमान ज़्यादा होने पर जानवरों को भी इंसानों की तरह पैरासिटामोल-आधारित दवाएं दी जाती हैं। उन्होंने कहा कि ज़्यादा तापमान वाले जानवर को सामान्य से कम खाना भी दिया जाता है। इस बीच, ओडिशा सरकार ने पांच ओरंगुटान बच्चों की देखभाल की निगरानी के लिए पांच सदस्यीय तकनीकी समिति का गठन किया है। एक आदेश के अनुसार, यह समिति बचाए गए जानवरों की भलाई और रखरखाव से संबंधित मुद्दों का आकलन करेगी और उनकी उचित देखभाल के लिए तकनीकी सुझाव देगी। इसमें कहा गया है कि समिति ज़रूरत पड़ने पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों और संगठनों से सलाह ले सकती है या उन्हें शामिल कर सकती है। चीफ़ वाइल्डलाइफ़ वार्डन और वाइल्डलाइफ़ पी.के. झा ने बताया कि बच्चों की सेहत पर नज़र रखने के लिए तीन देखभाल करने वालों और डॉज़्टरों को चौबीसों घंटे काम पर लगाया गया था।

हालांकि, झा ने कहा कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि ओरंगुटान का एक बच्चा बुखार से पीड़ित है। उन्होंने कहा कि देखभाल करने वाले ओरंगुटानों का ठीक से ध्यान रख रहे हैं और जानवरों की सेहत के जानकारों की सलाह के अनुसार उन्हें हर दो घंटे में खाना खिला रहे हैं। जानकारों द्वारा तैयार किए गए डाइट चार्ट के अनुसार, इन जानवरों को हर दो घंटे में दूध के साथ-साथ सेब और केले का जूस और उबले हुए आलू भी नियमित अंतराल पर दिए जा रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि ओरंगुटानों को सॉज़्ट टॉय और झूले भी दिए गए हैं और उन्हें तनाव-मुक्त रखने के लिए संगीत भी सुनाया जाता है। इन पांच ओरंगुटानों को 8 सितंबर को बालासोर ज़िले के भोगराई ज़्लॉक के बिचित्रपुर जंगल से बचाया गया था और उसी रात नंदनकानन चिड़ियाघर की क्वारंटीन सुविधा में रखा गया था। इस बीच, ओडिशा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स और वाइल्डलाइफ़ क्राइम कंट्रोल ज़्यूरो ने इस मामले में शामिल कथित अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव तस्करी की जांच तेज़ कर दी है।